@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 8 जुलाई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 244 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत-इंडोनेशिया के बीच रक्षा, ब्रह्मोस, अंतरिक्ष और डिजिटल सहयोग समेत 14 समझौते

कई नई पहल की घोषणा

एजेंसी

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने रक्षा, ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली, अंतरिक्ष, दूरसंचार, स्वास्थ्य, कृषि, खनिज, आपदा प्रबंधन और चुनावी सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में 14 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, डिजिटल कॉमर्स, प्रबंधन शिक्षा और खाद्य सुरक्षा समेत छह नई पहलों की भी घोषणा की, जिससे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती मिलेगी। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों में शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाह्य अंतरिक्ष की खोज एवं उपयोग संबंधी सहयोग समझौते का विस्तार, भारत के केंद्रीय औषधि

मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और इंडोनेशिया की औषधि एवं खाद्य नियामक एजेंसी (बीपीओएम) के बीच चिकित्सा उत्पादों के विनियमन में सहयोग, खनिज एवं इस्पात आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग संबंधी समझौते शामिल हैं। इसके अलावा समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा सहयोग संबंधी समझौते का विस्तार, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के बीच सहयोग, दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं सेवाओं, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार तथा स्वास्थ्य कार्यबल सहयोग से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों ने भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और इंडोनेशिया के जनरल इलेक्शन कमीशन (केपीयू) के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देते हुए ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली पर सहयोग तथा एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता भी किया गया।

भारत और इंडोनेशिया भविष्य के स्वाभाविक साझेदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को संबोधित करते हुए कहा आगे कि भारत और इंडोनेशिया दुनिया के सबसे युवा समाजों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रमुख समुद्री शक्तियां हैं और ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनकर उभरे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों प्राचीन सभ्यताएं हैं और भविष्य के लिए स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया।

'आतंकवाद के खिलाफ भारत-इंडोनेशिया साथ खड़े हैं'

इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने यह भी कहा कि आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत और इंडोनेशिया हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इंडोनेशिया ने मजबूती से भारत का समर्थन किया था। पीएम मोदी ने इसके लिए इंडोनेशिया का आभार जताया।

उपराष्ट्रपति ने समाज सुधारक रेट्टामलाई श्रीनिवासन की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में समाज सुधारक रेट्टामलाई श्रीनिवासन की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर कहा, 'रेट्टामलाई श्रीनिवासन ने अपना जीवन छुआछूत जैसी सामाजिक बुराई से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया और उनका यह दृढ़ विश्वास था कि प्रत्येक व्यक्ति का आत्मसम्मान और प्रतिष्ठा हमेशा कायम रहनी चाहिए।' तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में सात जुलाई 1860 को

जन्मे रेट्टामलाई श्रीनिवासन दलित अधिकार कार्यकर्ता, राजनेता और समाज सुधारक थे। उन्हें तमिलनाडु (तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी) में अनुसूचित जाति (विशेषकर परैयार समुदाय) के उत्थान का अग्रदूत माना जाता है। श्रीनिवासन ने अछूत माने जाने वाले समुदायों के बीच शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाई।

पद्मश्री इंजीनियर डॉ. गिरीश भारद्वाज का निधन

एजेंसी

बेंगलुरु। कम लागत में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए झूला पुलों के निर्माण की अभिनव तकनीक विकसित कर लाखों लोगों का जीवन आसान बनाने वाले पद्मश्री सम्मानित इंजीनियर डॉ. गिरीश भारद्वाज का मंगलवार तड़के निधन हो गया। हृदय संबंधी बीमारी के कारण उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के सुलिया स्थित केवीजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह 76 वर्ष के थे। उनके निधन से इंजीनियरिंग जगत और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में शोक की लहर है। डॉ. गिरीश भारद्वाज के निधन पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने एक दुर्लभ तकनीकी प्रतिभा और समाजसेवी इंजीनियर को खो दिया है। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि

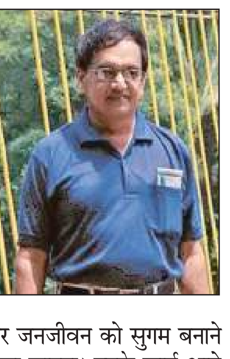

ग्रामीण क्षेत्रों को संपर्क सुविधा से जोड़कर जनजीवन को सुगम बनाने में डॉ. भारद्वाज का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

अफगानिस्तान के मंत्री अताउल्लाह ओमारी आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुधन मंत्री मावलावी अताउल्लाह ओमारी मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे। ओमारी के भारत दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच आपसी संबंध बढ़ाना और उनके हितों से जुड़े मामलों पर बातचीत करना है। अफगान मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आपसी हितों के मुद्दों पर बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।' यह दौरा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हो रहा है, जिसमें हाल ही में अफगान प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों के दौरान कई अफगान नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। भारत ने अफगान इलाके पर एयरस्ट्राइक की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि यह 'पाकिस्तान के लगातार लापरवाह बर्ताव और अपनी सीमाओं के बाहर हिंसा के हताशाजनक कामों के जरिए अंदरूनी नाकामियों को बाहर दिखाने की उसकी बेकार कोशिश को दिखाता है।'

तारातला हादसा: सीएम सुवेंदु अधिकारी ने पीड़ित परिवारों को सौंपे मुआवजा राशि के चेक

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को ताराताला गोदाम की छत गिरने से प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की। इसमें आर्थिक मदद, रोजगार में सहायता, मुफ्त इलाज और पीड़ित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई के लिए सहायता शामिल है। राज्य सचिवालय के नबन्ना

सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 24 जून को हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले 16 श्रमिकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे। वहीं हादसे में घायल लोगों को 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई। पीड़ित परिवारों से बात करते हुए अधिकारी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार भविष्य में भी उनकी मदद करती रहेगी।

झारखंड की नई औद्योगिक और टेक्सटाइल नीतियों पर दिल्ली 8-9 जुलाई को राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, सीएम हेमंत रहेंगे मौजूद

रांची। झारखंड में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने और हजारों रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार अपनी नई औद्योगिक नीति 2026 और टेक्सटाइल, अपैरल एंड फुटवियर नीति-2026 को अंतिम रूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। इन दोनों प्रस्तावित नीतियों समेत राज्य की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नीति और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से जुड़े सुधारों पर राष्ट्रीय स्तर पर मंथन के लिए 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली के ताज पैलेस होटल में दो दिवसीय 'नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन' आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में होने वाले इस सम्मेलन में उद्योग जगत, निवेशकों, नीति विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए जाएंगे, ताकि प्रस्तावित नीतियों को अंतिम रूप देने से पहले उन्हें और प्रभावी बनाया जा सके।

गोली चलवाने वाले अयोध्या की चिंता न करें: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। सीएम योगी ने जनसभा में सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अयोध्या मुद्दे पर इन दलों को बोलने का अधिकार नहीं है। राम भक्तों पर गोली चलवाने वाली सपा को अयोध्या की चिंता अब

क्यों हो रही है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया था। अब उसे आस्था की याद कैसे आ गई। अयोध्या की लड़ाई रामभक्तों के पूर्वजों ने लड़ी है। जो दल पहले आस्था को नकारते थे, वे अब इसे खिलवाड़ बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार का पैसा कब्रिस्तान की दीवार पर खर्च होता था। देश कांग्रेस और सपा के चंगुल में फंसने वाला नहीं है। यह नई अयोध्या है, जो भगवान का स्मरण कराती है। सपा के कार्यकाल में वक्फ बोर्ड की संपत्तियां बेची गईं। जबकि गरीबों को पट्टा दिया जाना था। सीएम योगी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास की सिफारिश पर एसआईटी का गठन हुआ है। प्राथमिक जांच में साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई भी हुई है। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट अपना कार्य कर रहा है। ट्रस्ट के कार्य में किसी को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। विपक्ष को सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि जहां बाबरी मस्जिद थी, वहां आज भगवान राम का भव्य मंदिर है। यह मंदिर पूरी दुनिया में आस्था का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने सपा-कांग्रेस को गिरगिट की उपमा दी। सुल्तानपुर में विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वांचल की सियासी जमीन साधने उतरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जिले से विकास की सौगात के साथ विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। विवेकनगर सर्कस ग्राउंड में आयोजित जनसभा में उन्होंने 819 करोड़ की लागत वाली 99 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। अयोध्या मंडल के अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की समीक्षा की। साथ ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को चेक और नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। बारिश के बाद करीब 31 मिनट के भाषण में मुख्यमंत्री का पूरा फोकस विकास बनाम माफियावाद और सुशासन बनाम परिवारवाद की राजनीतिक विचारधारा पर रहा। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया की पहचान थी, आज वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट विकास का मॉडल बन चुका है। पहले सरकारें माफिया खड़ा करती थीं, अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, सड़क और एयरपोर्ट नेटवर्क ने प्रदेश को नई आर्थिक ताकत दी है। लखनऊ एयरपोर्ट के पास माफियाओं से 120 एकड़ जमीन खाली कराने का जिक्र करते हुए इसे कानून के राज का उदाहरण बताया। कहा कि पिछली सरकारों में दुर्गापूजा नहीं होने दे रहे थे, रामनवमी पर शोभायात्रा नहीं निकल पा रहे थे, अब सब अच्छे से हो रहा है। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने नौ वर्षों में नौ लाख सरकारी नौकरियां देने का दावा किया। कहा कि सरकार बिना जाति और परिवारवाद के युवाओं को अवसर दे रही है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े विवाद पर कहा कि मंदिर ट्रस्ट ने स्वयं एसआईटी जांच की मांग की है और निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। सपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जो लोग पहले रामभक्तों पर गोली चलवाते थे, वही आज आस्था की राजनीति कर रहे हैं। वक्फ कानून का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले इसके नाम पर गरीबों की जमीनों पर कब्जा होता था, जबकि प्रदेश में विकास, सुरक्षा और सुशासन साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसौली के सपा विधायक मो.ताहिर खान पर हमला बोलते हुए कहा कि यहां के विधायक विकास योजनाओं में रुचि नहीं ले रहे हैं, इसौली बेरोजगार हो गई है। सभा में भाजपा के मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दरभंगा में बम विस्फोट चंचल नगर में दो युवक गंभीर घायल, क्षेत्र में दहशत

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले के चंचल नगर में मंगलवार को एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मची और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घायलों की पहचान लक्ष्मी पासवान के पुत्र रामबाबू पासवान और कमलेश पासवान के पुत्र श्रीकांत पासवान के रूप में हुई है। लोगों की मदद से उन्हें तत्काल दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पतोर थाना सहित कई अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि विस्फोट किस परिस्थिति में हुआ और बम वहां कैसे पहुंचा। फिलहाल, पुलिस की ओर से विस्फोट के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्रारंभिक जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद पूरे चंचल नगर इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग विस्फोट की आवाज से सहम गए हैं। पतोर थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फोरलेन के बीच आया सालों पुराना पेड़, लोगों ने किया विरोध तो डिजाइन बदला

अमृतसर (एजेंसी)। शहर के मेहता रोड फोरलेन निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल कायम की गई है। यहां गिल गांव के पास हाईवे निर्माण में आ रहे करीब 300 साल पुराने पीपल के पेड़ को काटने की योजना थी लेकिन गांव वाले गुरजंट सिंह, सुखबीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह जोहल समेत अन्य ने इसका विरोध किया, जिसके बाद एनएचएआई ने सड़क का डिजाइन बदल दिया। पेड़ के आसपास की जगह को भी संरक्षित कर दिया। वहीं डीएफओ ने बताया कि यह पीपल का पेड़ करीब 300 साल पुराना है जो बेहद सुंदर और घनी छाया देता है। उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया और इसे संरक्षित रखने के फैसले की सराहना की। यह उदाहरण दिखाता है कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी संभव है, बशर्ते सब मिलकर कोशिश करें।

दर्दनाक हादसा : कुएं में गिरे 13 हिरण और एक कुत्ता, सभी की मौत

भोपाल (एजेंसी)। शुजालपुर अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां एक खेत के कुएं से तेरह हिरणों और एक आवारा कुत्ते के शव बरामद हुए हैं। खेत मालिक कृष्णाबाई पाटीदार के परिजनों को कुएं से तेज दुर्गंध आने पर यह भयावह दृश्य दिखा। शव बुरी तरह सड़े-गले होने के कारण आशंका है कि यह घटना कुछ दिन पहले हुई होगी। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होने के कारण नायब तहसीलदार की देखरेख में सभी शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद घटनास्थल के पास ही विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि हिरणों का झुंड किसी आवारा कुत्ते से बचने के दौरान तेजी से भागा और कुएं में जा गिरा। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी शायद उनके साथ ही कुएं में गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुएं की मुंडेर (सुरक्षा दीवार) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त था, संभवत: उसी टूटे हिस्से से ये हिरण गिरे। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। कालापीपल-शुजालपुर क्षेत्र हिरणों की बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है। कुछ समय पहले ही यहां से बोमा पद्धति द्वारा सैकड़ों हिरणों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया गया था। यह घटना क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और कुओं की उचित मुंडेर जैसे सुरक्षा उपायों के महत्व को रेखांकित करती है। वन विभाग ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पत्नी ने पहले छत से दिया धक्का, बच गया तो ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर कर दिया इंजेक्ट

-पुलिस को किया गुमराह, पोस्टमार्टम में खुला राज, महिला, प्रेमी व दोस्त गिरफ्तार

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक महिला नर्स ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नर्स संध्या (32), उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक महिला का पति प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें विवाद होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में वह छत से गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का दावा है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया था। प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर शक हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है।

करूर हादसे में पीड़ितों को मुआवजा देने से रोकने की डीएमके की याचिका खारिज

हम सीएम के काम तय नहीं करेंगे, कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में रैली में हुए हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। डीएमके ने मौजूदा टीवीके सरकार के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सीएम विजय हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें मुआवजा और नौकरी देने की बात कही है, डीएमके का कहना था कि सीएम विजय को रोकना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की याचिका को खारिज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी सीएम की गतिविधियों को तय नहीं करेंगे। जजों ने डीएमके के वकील से कहा कि वह कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं। अगर सत्ताधारी टीवीके के नेता हादसे को लेकर बयान दे रहे हैं, तो डीएमके भी उसके जवाब में बयान दे सकती है। यह लड़ाई कोर्ट के बाहर लड़ी जानी चाहिए। डीएमके ने याचिका दाखिल कर कहा था कि

पिछले साल टीवीके की रैली में हुए हादसे की जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सीएम विजय 41 लोगों की मौत वाले इस हादसे के पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी देने के लिए करूर जाने वाले हैं। डीएमके ने इसका विरोध किया था।

बता दें पिछले साल सितंबर में टीवीके की करूर में एक रैली की थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी। इस दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच मद्रास हाईकोर्ट ने विशेष जांच दल को सौंपी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच राज्य पुलिस से लेकर सीबीआई के हाथों में दे दी थी। खास बात यह है कि जांच की निगरानी कोर्ट एक कमेटी भी कर रही है। सीएम विजय पीड़ित परिवारों से मिलने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ में गैर मुस्लिम से निकाह करने लेनी होगी वक्फ बोर्ड से अनुमति

-अंतर-धार्मिक निकाह प्रक्रिया को पारदर्शी व व्यवस्थित बनाने नई व्यवस्था लागू

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अंतर-धार्मिक निकाह की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। प्रस्तावित नियम अगस्त 2026 से पूरे प्रदेश में प्रभावी होंगे। इसके तहत यदि कोई मुस्लिम युवती या युवक किसी गैर-मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो पहले वक्फ बोर्ड से अनुमति लेना जरुरी होगा। अनुमति के लिए दोनों पक्षों की सहमति, पहचान संबंधी दस्तावेज, आवश्यक होने पर मतांतरण से जुड़े दस्तावेज और अन्य कानूनी औपचारिकताओं की जांच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही निकाह की अनुमति दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के सभी निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं का पंजीयन भी अनिवार्य करने का फैसला लिया है। केवल पंजीकृत मौलाना ही निकाह पढ़ा सकेंगे। बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर निकाह कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने बताया कि वर्तमान में कई स्थानों पर निकाह का कोई केंद्रीय रिकॉर्ड नहीं होने से भविष्य में पहचान, वैवाहिक स्थिति और दस्तावेज से जुड़े विवाद सामने आते हैं। नई व्यवस्था के तहत हर निकाह का रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा और एक समान प्रारूप में निकाहनामा और प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि यह व्यवस्था किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि निकाह प्रक्रिया को कानूनी रूप से पारदर्शी बनाने, फर्जी दस्तावेज, विवादित निकाह और शिकायतों की निगरानी के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

कांग्रेस बाद में रोना मत: ओवैसी ने जताई एनआरसी लागू होने की आशंका

–एसआईआर पर सवाल उठाते हुए बोले– अमित शाह कच्चा काम नहीं करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आशंका जताई है कि भविष्य में इसे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को भी आगाह करते हुए कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बाद में शिकायत करने का कोई लाभ नहीं होगा।

वकीलों की एक बैठक को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिना योजना के कोई कदम नहीं उठाते। उन्होंने कहा, अमित शाह कच्चा काम नहीं करते, वे हर कदम एक तय कार्यक्रम के तहत उठाते हैं। मुझे संदेह है कि आखिरकार सरकार एनआरसी लागू करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसांख्यिकी की जांच के लिए सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय आयोग भी इसी दिशा का संकेत हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनकी आशंका गलत भी साबित हो सकती है।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से स्थायी निवास प्रमाणपत्र (परमानेंट रेसिडेंट सर्टिफिकेट) जारी करने और इसके लिए स्पष्ट मानक तय करने की मांग की। उनका कहना था कि सरकार को समय रहते रचनात्मक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि यदि गरीबों के नाम मतदाता सूची से कटते हैं तो बाद में रोने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को समय रहते इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग फिलहाल तेलंगाना सहित 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चला रहा है। ओवैसी का कहना है कि यदि इस प्रक्रिया में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटते हैं, तो भविष्य में उन्हें नागरिकता संबंधी अन्य प्रक्रियाओं में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, एनआरसी को लेकर विपक्षी दल पहले से ही केंद्र सरकार के रुख का विरोध करते रहे हैं।

देशभर में मानसून का कहर...टैंकर-गाडियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी, कई मलबे में दबे; पहाड़ से गिरे पत्थर और मिट्टी से घर-दुकानें बर्बाद हुईं

वायनाड में लैंडस्लाइड, 4 की मौत, डोडा में बादल फटने से बाढ़

वायनाड/जम्मू/भोपाल (एजेंसी)। मानसून देशभर में पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मानसूनी बारिश से कई राज्यों और शहरों में स्थिति चिंताजनक हो गई है। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। वहीं जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सडक़ों पर कई गाडियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया।

वायनाड में हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। मलबा हटाने के लिए छुष्टक्क मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था।

भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेनी महिला गिरफ्तार, बिना वैध दस्तावेज नेपाल जाने की कोशिश नाकाम

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम के सहयोग से यूक्रेन की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया है। महिला पर बिना वैध यात्रा एवं आव्रजन दस्तावेज के भारत में रहने और हरपुर बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से नेपाल जाने का प्रयास करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां उससे गहन पूछताछ कर रही हैं और पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सीमा क्षेत्र में एक विदेशी महिला की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह भारत में कब और किस माध्यम से पहुंची, किन-किन स्थानों पर रही और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। इसके अलावा इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह या मानव तस्करी नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विदेशी नागरिकों के आवागमन से जुड़े मामलों में आव्रजन नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बिना वैध दस्तावेज के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस, एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले के हर पहलू की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

राम मंदिर विवाद: मायावती का विपक्ष को चैलेंज, सबूत दो, वरना ये सिर्फ चुनावी दिखावा है

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चंदे के कथित गबन की जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रबंधकों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण गड़बड़ी हो सकती है। 7 जनवरी, 2026 को X पर एक पोस्ट में, मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) समेत विपक्षी दलों की आलोचना की और चेतावनी दी कि ठोस सबूत के बिना उनके दावों को सच्ची निष्ठा के बजाय राजनीतिक दिखावा माना जाएगा।

उन्होंने लिखा कि यूपी में अयोध्या के श्री राम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड राज्य के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए; वरना, भविष्य में उनकी जगह नियुक्त होने वाले दूसरे मुख्य प्रबंधक इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। मायावती ने आगे कहा कि क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ियां हुई हैं, वे या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत से हुई हैं या उनकी लापरवाही के कारण। इसलिए, अब इस मामले की ठीक से जांच करना बहुत ज़रूरी है, और सरकार तथा SIT को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले गबन के इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रही हैं। पोस्ट में लिखा है कि साथ ही, SP, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दलों के वरिष्ठ नेताओं ने यहां (श्री राम मंदिर में) चढ़ावे की भारी चोरी और गबन के जो दावे किए हैं, उनके बारे में उनसे ठोस सबूत भी मांगे जाने चाहिए, ताकि कोई चोर या गबन करने वाला बच न सके; वरना, इसे सिर्फ़ राजनीतिक दिखावा माना जाएगा–यानी सच्ची श्रद्धा नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके ये पार्टियां अब इस मुद्दे की आड़ में चुनाव लड़ना चाहती हैं–आम चर्चा यही है।

राम मंदिर दान में गबन का विवाद उत्तर प्रदेश के बाहर भी चर्चा का विषय बन गया है। विपक्षी पार्टियों ने राज्य सरकार की आलोचना की है और AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की शुरुआती जांच में काउंटिंग रूम में सुरक्षा में गंभीर चूक और कुछ कर्मचारियों द्वारा कैश को व्यवस्थित तरीके से छिपाने का मामला सामने आया है। 27 अप्रैल से 5 जून के बीच देखे गए CCTV फुटेज में कर्मचारियों द्वारा कैश के बंडल छिपाने की लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आईं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को एनआईए कोर्ट ने सुनाई सज़ा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले 15 व्यक्तियों को एनआईए स्पेशल कोर्ट ने कड़ा दंड सुनाया है। लखनऊ स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट ने इन सभी 15 दोषियों को 5-5 साल की कठोर कैद की सजा दी है। ये सभी दोषी बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम बताए जा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 28-28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें महफूजुर रहमान, अल अमीन अहमद, खोखन सरदार, अलाउद्दीन तारीक, जमील अहमद, हुसैन मोहम्मद फहद, शखावत खान, असीदुल इस्लाम, जैनुल इस्लाम, राजीव हुसैन, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन, शाओन अहमद, मोहम्मद जमील और नूर अमीन शामिल हैं।

ये सभी व्यक्ति बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद पश्चिम बंगाल में छिप कर रह रहे थे। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने अदालत को अपनी जांच में बताया कि एक सुनियोजित साजिश के तहत मिथुन मंडल, विक्रम सिंह, महफूज और समीर मंडल उर्फ टोनी, मोहम्मद जमील सहित कुछ अन्य लोग बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करा रहे थे। एटीएस ने खुलासा किया कि यह गिरोह एक संगठित सिंडिकेट के रूप में काम कर रहा था, जो बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराता था। इतना ही नहीं, यह गिरोह घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट तक बनवा रहा था। एटीएस ने अदालत को यह भी जानकारी दी कि कई बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनाए गए थे, और मानव तस्करी के माध्यम से उन्हें भारत से कई अन्य देशों में भी भेजा गया था। यह मामला मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता कानूनों का उल्लंघन कर रहा था। इस गिरोह के सदस्यों को अक्टूबर 2021 में एटीएस ने देश के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई से भारत में अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी से जुड़े आपराधिक सिंडिकेट पर कड़ी चोट पड़ी है। एनआईए कोर्ट का यह फैसला उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो भारत की सीमाओं का उल्लंघन करने और अवैध गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करते हैं। यह फैसला अवैध घुसपैठ के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दर्शाता है और भविष्य में ऐसे प्रयासों को रोकने में मदद करेगा। इस तरह की गतिविधियां न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों पर भी अनावश्यक बोझ डालती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा बनी रहे, इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

केजरीवाल ने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प से मांगा लिखित आश्वासन

–ई20 पेट्रोल से गाडियों होंगी खराब तो कंपनियां करेंगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वे सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों को चिट्ठी लिखेंगे और ग्राहकों के लिए लिखित आश्वासन मांगेंगे। दरअसल, वे गाडियों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपयोग करने पर आ रही शिकायतों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांग कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि वे कंपनियों से लिखित रूप में आश्वासन चाहेंगे कि यदि उनकी गाडियों में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग किया जाए तो यदि माइलेज 10 फीसदी से अधिक गिरता है, तो क्या कंपनी ग्राहक को नुकसान की भरपाई करेगी? यदि गाड़ी का कोई भी पार्ट डैमेज होता है, तो कंपनी उसे मुफ्त में रिप्लेस करेगी? उन्होंने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प जैसी कंपनियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी सार्वजनिक बातें और ओनर मैनुअल में दी गई चेतावनियां (जो अक्सर ई10 तक सीमित सिफारिश करती हैं) एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं।

30 करोड़ वाहनों को खतरे में डाल रही सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिना तैयारी के पूरे देश पर ई20 पेट्रोल थोप रही है, जिससे 30 करोड़ वाहन प्रभावित हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि कई ऑटो कंपनियों के ओनर मैनुअल में ई10 से अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनुमति नहीं दी गई है, जबकि कंपनियां सरकार के दबाव में अलग बयान दे रही हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर ई0, ई10 और ई20 तीनों विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार पेट्रोल चुन सकें।

सरकार जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की चिंताएं हैं, लेकिन केंद्र सरकार लगातार इसे लागू करने पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को समझाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है और ऑटो कंपनियों से भी ई20 के पक्ष में बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को छह प्रमुख ऑटो कंपनियों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कराई गई, जहां ई20 पेट्रोल को सुरक्षित बताया गया।

हैप्पी फोर कह कर झूम उठा अमेरिका

-चंद्रकान्त पाराशर

न्यूपोर्ट बीच(केलिफोर्निया)। अमेरिका का 250वाँ स्वतंत्रता दिवस (250th Independence Day) 4 जुलाई को सम्पूर्ण देश में हर्षोल्लास से मनाया गया। इसी कड़ी में केलिफोर्निया राज्य के ऑरेंज काउंटी स्थित न्यूपोर्ट बीच के साथ साथ इस परिक्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सीबीच व छोटे बड़े शहरों में बेहद शानदार तरीके से एक बड़े ऐतिहासिक जश्न के रूप में मनाया गया। न्यूपोर्ट ड्यूनस वॉटरफ्रंट रिज़ॉर्ट और मरीन पर सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक एक शानदार महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लाइव संगीत और पूरा दिन चलने वाले वॉटर स्पोर्ट्स शामिल थे। रात 9 बजे इसी Dunes में सिटी ऑफ़ न्यूपोर्ट बीच के सहयोग से बहुत सलीके व सेफ्टी-नियमों के साथ एक शानदार रंगारंग आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए हजारों लोग इकट्ठा हुए। इस अनूठे आयोजन को लाइव देखने के लिए एक सच्चे नागरिक के रूप में हजारों की संख्या में लोग सपरिवार सुबह से ही स्थल पर मौजूद रहे। यहाँ बहुत गज़ब का सेल्फ अनुशासन प्रत्येक व्यक्ति में देखते ही बनता था जैसे- सलीके से निजी कारों को पार्क किया जाना; समस्त कूड़ा-कचरा समुचित ढंग से निस्तारित करना, छुटपुट कुछ जोशीले युवकों की हरकतों को छोड़ पूरा समारोह अत्यंत अनुशासित व सभ्य तरीके से समाप्त हुआ। इससे पूर्व दिन में यहां ओल्ड ग्लोरी बोट परेड कार्यक्रम में दोपहर 1 बजे अमेरिकन लीजन यॉट क्लब आयोजित इस भव्य नाव परेड में रंग-बिरंगे परिधानों में सैकड़ों सजी-धजी नौकाएँ न्यूपोर्ट हार्बर में घूमीं जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

बदमाशों से भिड़ गई पिंकी, पति-बेटे को सुरक्षित बाहर निकाला

कासगंज। कासगंज के पटियाली में तीन हथियारबंद बदमाश शुक्रवार को दिनदहाड़े जिलानी गेस्ट हाउस के पास स्थित एक फौजी के मकान में घुस गए और दंपती व मासूम बेटे को बंधक बनाने की कोशिश की। जान की परवाह न करते हुए गृहस्वामी की पत्नी पिंकी दिनदहाड़े मकान में घुसने वाले बदमाशों से भिड़ गई। बदमाश के हाथ में तमंचा देखने के बाद वह दहशत में नहीं आई और उसने एक बदमाश का नकाब खींचकर चेहरा देखने की कोशिश की और शोर मचाने लगी। पिंकी के शोर मचाने एवं भिड़ने से बदमाश छत की ओर भाग गए और उन्होंने छत के रास्ते के किवाड़ बंद कर दिए। बदमाश ऊपर की मंजिल में कैद हो गए।पिंकी मौका मिलते ही अपने पति राहुल यादव एवं अपने पुत्र आर्यन को लेकर घर के बाहर निकल आई और शोर मचाती रही। आसपास के लोग और पशु चराते लोग भी मौके पर आ गए। मौके पर लोगों की भीड़ देखकर पिंकी और राहुल ने लोगों को घटना की जानकारी दी। पिंकी ने बताया कि उनके पति को तमंचे की बट से बदमाशों ने घायल कर दिया था, जिससे वह कुछ देर बेहोश हो गए। वह उस समय घर की ऊपरी मंजिल पर अपना कामकाज निपटा रही थी।बदमाशों के हमले के बाद राहुल की चीख निकली। चीख की आवाज सुनकर वह तुरंत ऊपर से नीचे आ गई। उनका सोता हुआ बेटा भी पिता की चीख सुनकर जाग गया। जब घर में बदमाश दिखे तो उसने बदमाश का नकाब नोचकर चेहरा देखने की कोशिश की। ग्रामीणों के बीच पिंकी का साहस लोगों के बीच चर्चा का केंद्र था। पटियाली-गंजडुंडवारा मार्ग पर जिलानी गेस्ट हाउस के पास लूट के इरादे से एक घर में तीन हथियारबंद बदमाशों के घुसने और साहस दिखाते हुए बदमाशों को घर के अंदर बंद कर गृहस्वामी के परिवार समेत बाहर निकलने के बाद शुक्रवार शाम पूरा इलाका छावनी में बदल गया। पुलिस ने मकान की घेराबंदी कर दी और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दे दी।शाम करीब 4ः45 बजे एसपी ओपी सिंह के निर्देश पर तत्काल आसपास के थाना क्षेत्रों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। इस बीच एक बदमाश तीन मंजिला भवन से नीचे कूद गया, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद दो बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस प्रयास करती रही। बार-बार बदमाशों से सरेंडर करने को कहा गया, लेकिन पुलिस की अपील का बदमाशों पर कोई असर नहीं हुआ और वे मकान में बैठे रहे। जैसे-जैसे समय बीत रहा था पुलिस की और टीमें लगातार मौके पर पहुंच रही थीं।एसपी ओपी सिंह भी पटियाली रवाना हो गए। सीओ सहावर दुर्गेश मिश्रा सूचना के बाद मौके पर पहुंच गए। पुलिस सामने से घर में प्रवेश नहीं कर पा रही थी। वहीं, मकान के तीन मंजिला होने से ऊंचाई अधिक थी। भवन के पास कोई दूसरा मकान भी नहीं था। ऐसी स्थिति में बाहर से अंदर की स्थिति का अनुमान नहीं लग पा रहा था। देर शाम 7ः15 बजे पुलिस ने ट्रैफिक रोककर सीढ़ी के सहारे छत से घर में प्रवेश किया। इसी बीच बदमाशों ने एक के बाद एक चार फायर किए। फायरिंग होते ही पुलिस और चौकसी हो गई। पुलिस साहस दिखाते हुए घर में घुस गई और 15 मिनट में पुलिस की फायरिंग में दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया और उनके हथियार कब्जे में ले लिए। बदमाश तमंचों से लैस थे।इसके बाद पुलिस की टीमें घायल बदमाशों को लेकर घर के अंदर से बाहर निकलीं। बदमाशों के गिरफ्त में आने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली क्योंकि दिनदहाड़े होने वाली यह वारदात पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी। ऑपरेशन सफल होने पर एसपी ओपी सिंह ने पुलिस की टीमों की पीठ भी थपथपाई। बदमाशों से पूछताछ कर उन्हें उपचार के लिए सरकारी चिकित्सालय भेजा गया। इस दौरान तीन घंटे तक इलाके में दहशत का आलम रहा।

सांप को मारकर किया किस, दांतों में दबाकर बनाई रील, युवक के मुंह से निकले झाग, हालत बिगड़ी

बिजनौर। गांव शादीपुर में मरे हुए सांप को मुंह में दबाकर रील बना रहे सलीम (42) की जान पर बन आई। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे झाड़-फूंक करने वाले के पास ले गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और बाद में मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बृहस्पतिवार शाम को सलीम पुत्र घसीटा के घर में एक सांप घुस आया था। उसने सांप को मार डाला और बाद में उसे हाथ में लेकर सोशल मीडिया पर रील के लिए वीडियो बनवाने लगा। उसका पड़ोसी युवक वीडियो बना रहा था। इस दौरान सलीम कभी सांप को पूंछ की तरफ से कभी फन की तरफ से पकड़ रहा था, तो अपने मुंह में रखता तो और उसे दांतों से दबाता। आखिर में उसने मरे हुए सांप को मुंह की तरफ से अपने मुंह में डाल लिया। ऐसा उसने कई बार किया। कुछ ही देर में सलीम की तबीयत बिगड़ने लगी और बेहोशी छा गई। परिजन उसे अस्पताल ले जाने के बजाए पहले झाड़-फूंक करने वाले के पास ले गए। हालत और बिगड़ने पर उसे सीएचसी लाया गया। सीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभम चिकारा ने बताया कि मरीज को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया था। वहां उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार है। सीएचसी नहटौर के चिकित्साधिकारी डॉ. शुभम चिकारा ने बताया कि सलीम को जब अस्पताल लाया गया तो उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। उसकी हालत खराब थी। हो सकता है कि जब सलीम ने सांप का मुंह अपने मुंह में डाला तो जहर अंदर चला गया हो। उसका एंटी स्नेक वेनम लगाकर उपचार किया गया।

बरेली में नर्सिंग असिस्टेंट ने जहर खाकर दी जान

बरेली। बरेली में पत्नी और ससुरालवालों की प्रताड़ना से आहत होकर नर्सिंग असिस्टेंट कुलदीप गोस्वामी ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के पिता की तहरीर पर पत्नी, साले, साली और साढ़ू के खिलाफ कैंट थाने में मामला दर्ज किया गया है। कुलदीप की मौत के बाद उनके वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें उन्होंने अपनी मौत का जिम्मेदार इन्हीं चारों को बताया है। कुलदीप के पिता सत्यपाल गोस्वामी ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे का अपनी पत्नी गुंजन से विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि गुंजन, उसके भाई अमित, बहन रीना और बहनोई सतीश ने कुलदीप को लगातार प्रताड़ित किया। उसके साथ मारपीट की गई और झूठे आरोप लगाकर मुकदमेबाजी भी की गई। इसी से परेशान होकर कुलदीप ने सदर कैंट क्षेत्र में जहर खा लिया। आरोपियों ने कुलदीप को अचेत अवस्था में डाकखाने के पास छोड़ दिया था। परिजनों ने शुक्रवार की रात उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। शनिवार सुबह चार बजे इलाज के दौरान कुलदीप की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और आरोपियों की तलाश जारी है। फील्ड यूनिट दल की सहायता भी ली जा रही है। कुलदीप का जीवन पहले से ही विवादों से घिरा था। जांच में पता चला कि उनकी पहली शादी करीब पंद्रह वर्ष पहले दयावती से हुई थी। उनका एक तेरह वर्षीय बेटा उत्कर्ष है। पहली पत्नी ने दहेज का मुकदमा किया था। तीन माह पहले ढाई लाख रुपये लेकर दोनों का तलाक हो गया था। करीब दो महीने पहले कुलदीप ने गुंजन से दूसरी शादी की थी। दूसरी शादी के बाद कुलदीप के घर से नकदी और जेवर गायब होने लगे। उन्होंने गुंजन पर चोरी का आरोप लगाया। गुंजन ने पलटकर देवर पर चोरी का आरोप लगा दिया। बाद में 70 हजार रुपये फिर गायब हुए। गुंजन के पास घरवालों के खाते में जमा की रसीद मिली। इस पर झगड़ा हुआ तो गुंजन ने पति और ससुरालियों पर दहेज के आरोप लगाए। 3 जुलाई की शाम को कुलदीप ससुराल गए थे, जहां कथित तौर पर उन्हें प्रताड़ित किया गया और मारपीट हुई।

हनीमून पर गई लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार, इंस्टाग्राम ने खोला ठिकाना, फिल्मी चुनौती पड़ गई भारी

मेरठ। मेरठ के सरधना क्षेत्र में पेटीएम कंपनी के टीम लीडर से लूट के मामले में फरार चल रही महिला आरोपी ज्योति चौधरी को पुलिस ने हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर फिल्मी अंदाज में पुलिस को चुनौती देने वाली आरोपी की गिरफ्तारी उसकी इंस्टाग्राम गतिविधियों के कारण संभव हो सकी। शादी के कुछ दिन बाद पति के साथ हरिद्वार घूमने पहुंची आरोपी की लोकेशन पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए ट्रेस कर ली। सीओ आशुतोष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ज्योति चौधरी, निवासी गांव छुछाई, थाना किठौर की शादी 23 जून को मोहित नागर से हुई थी। शादी के बाद दोनों हरिद्वार घूमने गए थे। फरारी के दौरान भी ज्योति लगातार इंस्टाग्राम पर सक्रिय रही। इसी गतिविधि के आधार पर पुलिस को उसकी मौजूदगी का सुराग मिला और शनिवार सुबह उसे हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि ज्योति की पहले बुलंदशहर जिले के ककोड़ थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर जाट निवासी सुनील उर्फ नीतू से भी शादी हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, वह रागनी कार्यक्रमों में नृत्य करती थी। पुलिस का दावा है कि महंगे शौक पूरे करने के लिए वह अपने वर्तमान पति के साथ लूट और चोरी की वारदातों में शामिल होने लगी। लूटकांड में नाम सामने आने के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर फिल्मी अंदाज में कहा था, 卐शाका मारा जा सकता है, लेकिन पकड़ा नहीं जा सकता। हालांकि, सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहना ही उसके लिए मुसीबत बन गया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। 12 जून की रात मुजफ्फरनगर के रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव मुजाहिदपुर निवासी आकाश शर्मा, जो पेटीएम कंपनी में बड़ौत जोन के टीम लीडर हैं, बाइक से घर लौट रहे थे। सरधना क्षेत्र में रार्धना-पाली कांवड़ पटरी मार्ग स्थित पाली पुल के पास दो बाइकों पर सवार चार बदमाशों ने उन्हें रोककर मारपीट की और उनकी बाइक तथा मोबाइल फोन लूट लिया था। पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि वारदात में एक युवती भी शामिल थी। इस मामले में सरधना पुलिस पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटी गई बाइक, मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर चुकी है। अब महिला आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में भी जांच आगे बढ़ा रही है।

NAME CHANGE
I DEVIKA KUMARI AGRAWAL W/O NILESH KUMAR DOKANIA R/O S-4/53 UPPER FIRST FLOOR MAHAVIR NAGAR NEAR JANAK PURI EAST METRO STATION TILAK NAGAR WEST DELHI-110018 HAVE CHANGED MY NAME TO DEVIKA DOKANIA

NAME CHANGE
I MOHAMMAD FURQAN BABLU S/O MOHD JAAN R/O L-200/A GALI NO-7 GARHI MENDU DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD FURKAN

NAME CHANGE
I AMIT KUMAR s/o naresh kumar , R/o 68-c/2 kh no-40/7/2 nilothi EXTN Dalip Vihar West Delhi 110041 , have changed my name to AMIT KUMAR CHHABRA for all future purpose

NAME CHANGE
I PREETI PURI W/O NEERAJ CHAWLA, R/O 53/64 RAMJAS ROAD KAROL BAGH, CENTRAL DELHI, 110005, HAVE CHANGED MY NAME TO PREETI CHAWLA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I Babita Dixit W/o Sonu R/o B-75/2, Inder Enclave-1, Kirari Suleman Nagar, Delhi-110086, have changed my name to Babita for all future purposes

NAME CHANGE
I LALIT KUMAR S/O TEK CHAND R/O 6/68, JHARERA VILLAGE, SOUTH WEST DELHI -110010 have changed my name to LALIT PRASAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NAVED UR REHMAN S/O HIFZUR REHMAN residing at 1062, STREET MUFTIWALAN TIRAHA BEHRAM KHAN, DARYA GANJ,DELHI-110002 have changed my name to NAVED REHMAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I TRILOK CHAND S/0 Jagat Singh R/0 A-356/357Weavers Colony Ashok Vihar Phase 4 Delhi 110052 Changed my name to TRILOK SINGH

NAME CHANGE
I Amita Nauriyal W/o Chetna Nand Nauriyal R/o 219, Uttranchal Nagar, Nand Gram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor son Tanisha Nauriyal aged 17 years and he shall hereafter be known as Tanish Nauriyal.

NAME CHANGE
I,Simran alias Simran Ali D/O Munawar Ali W/O Azruddin R/O H-196 Block-H Gali No-2 Shaheed Nagar, Chikamberpur, PO: Chikamberpur, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201006, have changed my name and shall hereafter be known as Simran Ali

NAME CHANGE
I,hitherto Known as HAJI ATEEK AHMAD S/O ZAHEER AHMAD R/O 557, South, Islamabad, Afzalpur Pawati, Meerut, Uttar Pradesh-250002 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD ATIQ.

NAME CHANGE
I, Vishwajeet singh S/o Pradeep kumar R/o House No.377 Bhim nager sec-6 Gurgoan, Haryana Have changed My name Vishwajeet to Vishwajeet Singh for all purposes.

NAME CHANGE
I, SHIVANI SINGH CHAUHAN / SHIVANI SINGH W/O HARPREET SINGH GAMBHIR R/O, 1531,TOWER-D, 10th AVENUE, GAUR CITY-2, SECTOR-16 C, GREATER NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201306, HAVE CHANGED MY NAME TO SHIVANI CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SHIVAM S/o KULDEEP SINGH R/o House No: 62/L MODEL TOWN, ROHTAK - 124001, Haryana, have changed my name from SHIVAM to SHIVAM HOODA for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD ARIF S/o Mohd Azimuddin R/o 57, Janta Flats, Sarai Khalil, Sadar Bazar, Delhi-110006, have changed my name to MOHD ARIF ANSARI permanently.

NAME CHANGE
I, KULDEEP / KULDEEP HOODA S/o Bhim singh-- R/o House No: 62/L MODEL TOWN, ROHTAK - 124001, Haryana, have changed my name from KULDEEP / KULDEEP HOODA to KULDEEP SINGH for all intents and purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, LEELAVATI KUSHWAHA mother of NO 15723636M, Rank - L/NK, Name K KUSHWAHA residing at VILL-GERUARI-169, PO-PADARIYA, TEHSIL-GURH, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486123, have changed my name from LEELAVATI KUSHWAHA to LILAVATEE KUSHWAHA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/06/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1972 vide Affidavit dated 07/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that 1, ANJALI MEENA D/O YOGESH KUMAR MEENA, R/o H.No.1036, P-109, Kalyan Pana, Tikri Kalan, PO: Tikri Kalan, DIST. West Delhi, Delhi-110041, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as YOGESH MEENA and POOJA MEENA in my all education documents. The actual name of my father and my mother are YOGESH KUMAR MEENA and URMILA DEVI respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, MOHD TAQI S/O MOHD SADDIQ R/O HOUSE NO. 1476 BASTI CHOTAY RAM KALAN MAHAL DARYA GANJ NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHD TAQI TO RESHMA FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, kuwarpreet singh, S/O Gurvinder singh anand, R/O B-5/109 Paschim vihar, Delhi-110063 have changed my name to Kunwarpreet Singh Anand for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
श्रीमती सरोज बाला, श्री सतीश कुमार की पत्नी, मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से मकान संख्या 228 (नया) और मकान संख्या 199 (पुराना) के लिए ऋण मांग रही हैं, जिसका संपत्ति पहचान संख्या 1CWG}YB0 है, क्षेत्रफल 67 वर्ग गज है, गली संख्या 3 में स्थित है, खसरा संख्या 11233/146-6302-5/147, 3234/148, 3232/143, 144-1/8 में शामिल है, जो वाका सिवाना मौजा, गुड़गांव में, अशोक गार्डन नामक कॉलोनी में, स्वरूप गार्डन के पास, गुड़गांव (हरियाणा) तहसील और जिला की सीमा के भीतर स्थित है; जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा। श्रीमती सरोज बाला, पत्नी श्री सतीश कुमार ने हमें बताया है कि पूर्व स्वामी, अर्थात् श्री सतीश कुमार ने निम्नलिखित दस्तावेज, अर्थात् श्री सतीश कुमार पुत्र श्री रघुनाथ सिंह के पक्ष में दिनांक 09.04.2001 को जारी विक्रय विलेख वासिका संख्या 316 (विधेयक संख्या 132270992600379) कहीं खो दिया है या कहीं रख दिया है, जो न तो मिल पा रहा है और न ही उसका पता लगाया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 09991119392

नाम परिवर्तन सूचना
मैं, सुनिता देवी, पत्नी आर्मी नं. 15213880W, रैंक ङ्क हवलदार (HAV), श्री ऋषिराज, वर्तमान निवासी ग्राम-खापरिया, डाकघर-तसिंग, तहसील-बहरोड़, जिला-कोटपुतली बहरोड़, राजस्थान-301701, ने अपने नाम में परिवर्तन कर सुनिता देवी से सुनिता रख लिया है। भविष्य में मेरे सभी कार्यों एवं अभिलेखों में मुझे सुनीता के नाम से जाना एवं संबोधित किया जाए। यह नाम परिवर्तन दिनांक 06/07/2026 को नोटरी, दिल्ली के समक्ष निष्पादित शपथपत्र (Affidavit) के आधार पर किया गया है।

PUBLIC NOTICE
It is for the general public information that my Clientess Sushma Devi W/O Late Om Prakash Singh R/O Village Sabalpur (Dulhapur), Post Tanda Afzal, Tehsil Thakurdwara, Distt. Moradabad (U.P.), has debarred, disown and break down all the relationship from her elder son namely Gaurav Kumar and his wife namely Vandana, from their all moveable and Immoveable properties either self acquired or ancestral, situated all over India due to their misconduct, disobedience and misbehavior attitude. My client will not be responsible in future for their acts which is done by them.

Suresh Sisodia Advocate
Ch.No.261,
Patiala House Courts,
New Delhi-110001.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Kamod & Mrs. Nittu Chaudhary** is purchasing the Plot admeasuring 53 SQ. yards, out of Khasra no. 541, waka moja Village Salarpur Khadar, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. from Mr. Javed Khan who is the owner of the property vide Sale Deed dated 31.01.2026 which is registered as doc. no. 1563, book no.1, vol. no. 14661, Page no. 387 to 406, on 31.01.2026, SRO-Noida-I-GBN) and Intend to mortgage the said property with **Motilal Oswal Home Finance Limited .** That the Original Sale Deed dated 23.09.2008 executed by Mr. Jai Prakash attorney of Mr. Birbal in favour of Mrs. Anisha in respect of the Plot admeasuring 53 SQ. yards, out of Khasra no. 541, as doc. no. 2604, book no.1, vol. no. 1391, Page no. 263 to 282, on 23.09.2008, SRO- III- Noida & The Original Sale Deed dated 15.02.2011 executed by Mrs. Anisha in favour of Mrs. Shakeela in respect of the Plot admeasuring 53 SQ. yards, out of Khasra no. 541, as doc. no. 1264, book no.1, vol. no. 4675, Page no. 335 to 362, on 15.02.2011, SRO- III- Noida are/is lost/Misplaced. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

जन्म तिथि परिवर्तन
मैं, सोनाली दास माता No. 15680526F रैंक- -CQMH नाम -KOUSTAV DAS निवासी-पानागढ़ रेलपार सरदापल्ली , पोस्ट-पानागढ़ बाजार , थाना-कांकसा , जिला -पश्चिम बर्धमान , वेस्ट बंगाल -713148, मेरे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में मेरी जन्मतिथि 01/07/1963 जबकि मेरी सही जन्मतिथि 01/01/1962 vide Affidavit dated 23/06/2026 before Notary Public, दुर्गापुर , पश्चिम बर्धमान , वेस्ट बंगाल ।

नाम परिवर्तन
मैं मंजू R/o H.no-331, साईं बाबा मंदिर के पास, लोधी कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, सेंट्रल दिल्ली-03 बताती हूँ कि मेरे पति के आर्मी/रैंक नंबर 10316452H हवलदार विकास सर्विस डॉक्यूमेंट्स में मेरा नाम मंजू देवी गलत लिखा है। मेरे दूसरे डॉक्यूमेंट्स के हिसाब से मंजू सही है। इसलिए, आपसे रिक्वेस्ट है कि मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम मंजू देवी से बदलकर मंजू कर दें।

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री विशाल, श्रीमती अलका धवन से संपत्ति संख्या 137 के निर्मित तृतीय तल (Built-up Third Floor) सहित छत के अधिकार (Roof Rights), क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 7/22 का भाग है तथा ग्राम मटियाला, आबादी जिसे ओम विहार एक्सटेंशन, ब्लॉक-ई, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 के नाम से जाना जाता है, क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक स्वामी श्री सिस राम थे, जिन्होंने दिनांक 29.11.1980 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Registered Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री मांगे राम भारद्वाज के पक्ष में विक्रय की। इसके उपरांत स्वामित्व का क्रम निम्नानुसार रहा—श्री मांगे राम भारद्वाज ने संपत्ति श्रीमती गायत्री देवी को हस्तांतरित की। श्रीमती गायत्री देवी ने संपत्ति श्री संतोख सिंह सोढ़ी को हस्तांतरित की। श्री संतोख सिंह सोढ़ी ने संपत्ति श्री सुशील कुमार को हस्तांतरित की। श्री सुशील कुमार ने संपत्ति श्री विजय को हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री विजय ने संपत्ति श्रीमती सरोज महाजन के पक्ष में हस्तांतरित की। श्रीमती सरोज महाजन का निधन दिनांक 26.01.2015 को हो गया था तथा उनके पति श्री पूरण चंद का निधन उनसे पूर्व दिनांक 23.06.2007 को हो चुका था। उनके पश्चात निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारी शेष रहे—(1) श्री मुकेश महाजन (पुत्र), (2) श्रीमती नीतू साहनी (पुत्री), (3) श्रीमती रुचि (पुत्री) एवं (4) श्री विनोद महाजन (पुत्र)। तत्पश्चात श्री मुकेश महाजन, श्रीमती नीतू साहनी एवं श्रीमती रुचि ने दिनांक 19.03.2018 के पंजीकृत त्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपने-अपने अधिकार श्री विनोद महाजन के पक्ष में त्याग दिए। इसके पश्चात श्री विनोद महाजन ने दिनांक 03.05.2018 को अपनी पत्नी श्रीमती अलका धवन के पक्ष में एक पंजीकृत वसीयत (Registered Will) निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, इसके उपरांत श्री विनोद महाजन का निधन हो गया। उक्त पंजीकृत वसीयत के आधार पर श्रीमती अलका धवन उक्त संपत्ति की स्वामिनी बनीं। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार (Encumbrances), ग्रहणाधिकार (Liens), प्रभार (Charges), बंधक (Mortgages) तथा अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा श्रीमती अलका धवन के पास है। उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु वित्तीय सहायता (Housing Loan) आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा-एन-17, द्वितीय तल, विजय बिल्डिंग, बाराखंभा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Raj Bahadur R/o K-403, Gali No.8, Prem Nagar-2, Kirari Suleman Nagar, Delhi-110086 have changed my name to Raj Bahadur Sharma.

NAME CHANGE
I, ASIF S/o MOHD SHAFI R/o H.No.1342, Patli Band Gali No.44, Near Gumband Wali Masjid, Jafrabad, Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to MOHD ASIF.

NAME CHANGE
I, RAKESH KUMAR JAIN S/o SURENDER KUMAR JAIN R/o House No.7846, 2nd Floor, Katra Nawab, Subzi Mandi, Roshan Ara Road, Delhi-110007 have changed my name to RAKESH JAIN.

NAME CHANGE
I MOHD AQIL S/O QAMAR KHAN R/O H.NO 1276-A 5TH FLOOR GALI NO 14/2 NEAR NOORANI MASJID, SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to AQIL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SABA KHAN W/O AQIL R/O H.NO 1276-A 5TH FLOOR GALI NO 14/2 NEAR NOORANI MASJID, SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to SABA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MOHD RIAZ S/O MOHD AZAZ R/O I-71, I BLOCK WELCOME SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to MOHD RIYAZ Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I KAMNA DARGAN W/O VIJAY KUMAR R/O ,J- 69 ,NEAR VARDHMAN MARKET, VIKAS PURI DELHI- 110018 have changed my name to KAMNA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, KM KRISHNA D/O SATYENDRA PANDEY R/O 00, OPPOSITE KALI MANDIR WAALI GALI SHIV MANDIR MOON CHAPRA BALLIA UP 277209, CHANGED MY NAME TO KRISHNA PANDEY.

NAME CHANGE
I, HARISH KUMAR Son of ROOP CHAND, residing at FLAT NO-006, TOWER-C, GREEN ARCH SOCIETY, TECHZONE-4, GREATER NOIDA, UTTAR PRADESH-201318, have changed the name of my minor daughter ARNIMA, aged 10 years and she shall hereafter be known as ARNIMA SAMYAK. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD DANISH S/o MOHAMMAD RAIS R/o T-564, AHATA KIDARA, CHAMELIAN ROAD, SADAR BAZAR, DELHI-110006 have changed my name to MOHD DANISH for all future purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, RAJBEER SINGH Father of JC-483338P Rank-NB/SUB Name-RAVINDRA SINGH Residing at-HAR KA PURA, RITHONA, AMBAH, MORENA, MADHYA PRADESH-476111, have changed my name from RAJBEER SINGH to RAJVEER SINGH SIKARAWAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1959 Vide Affidavit dated 07/07/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I VIKRAM s/o YASHPAL r/o F-1ST 130, MADANGIR, DR AMBEDKAR NAGAR, DELHI-110062. Have changed my name to VIKRAMJIT.

NAME CHANGE
I MANISH S/O TULSHI RAM R/O H NO 29/1 VILLAGE KANHAI GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO MANISH YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I ASHWANI KUMAR S/O MAHIPAL SINGH R/OH NO 774 VILLAGE ISLAMPUR GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO ASHWANI THAKRAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, ANU SANJEEV wife of NO-15702646H, Rank-HAV Name-SANJEEV S presently residing at-ARMY HEADQUARTERS SIGNAL REGIMENT, SIGNAL ENCLAVE, RAO TULARAM MARG, DELHI CANTT-110010 permanent residing at HOUSE NAME- AROOR CHIRAYIL, VILL - PATHIYOOR (EAST), POST KEERIKAD, TEH KARTHIKAPALLY, DIST ALAPPUZHA, KERALA-690508, have changed my name from ANU SANJEEV to ANU A for all future purposes vide Affidavit dated 07/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TANMAY GOPALBHAI AGRAWAL S/O GOPALBHAI SUBHASHBHAI AGRAWAL residing at AMBER-803, SUPERTECH-34, PAVILLION, POCKET-C, NEAR SECTOR-34 METRO STATION, SECTOR-34, NOIDA, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name to TANMAY AGRAWAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SARITA wife of No-14683177X, Rank-HAV, Name-RAJEEV KUMAR MISHRA residing at 14, VILL-MADHOPUR, MORO, DARBHANGA, BIHAR-847106, have changed my name from SARITA to KUMARI SARITA for all future purposes vide Affidavit dated 07/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NARAIN DAS S/o NOUBAT RAM R/o House No: 264/27, GALI NO: 5, MADAN PURI, GURGAON - 122001, Haryana, have my name from NARAIN DAS to NARAIN DASS for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, BABAL KAWATRA W/o SUSHIL KUMAR R/o House No: 76/24, PARTAP NAGAR, NEAR BHUTANI HOSPITAL, ROHTAK - 124001, Haryana, have changed my name from BABAL KAWATRA to BABAL KWATRA for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, SHYAM SINGH / SHYAM SUNDER S/o BANSI LAL R/o House No: 1032/23, DLF COLONY, ROHTAK - 124001, Haryana, have changed my name from SHYAM SINGH / SHYAM SUNDER to SHYAM SUNDER SACHDEVA for all intents and purposes.

Date of Birth Change
I SHARADA SHRAVAN CHAUDHARI legally mother of Army no - 2806251N Rank - NK, Name - CHOUDHARI KIRAN SHRAVAN, Presently Residing At - DORHALE Post- KORHALE, Teh - RAHATA, Dist - AHILYANAGAR, Pin - 423 107, State- MAHARASHTRA have changed my name from, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1959 instead of my correct date of birth as 01/10/1960 vide affidavit dated 07/07/2026 before Notary Public, Delhi.

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री नवीन कुमार कटियार संपत्ति संख्या 423ए, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, खसरा/मु संख्या 68/19/1, 19/2, ग्राम गौंची, तहसील गौंची, जिला फरीदाबाद में स्थित संपत्ति के स्वामी हैं। यह संपत्ति दिनांक 08.01.2025 को श्री नरेश लांबा पुत्र श्री पूरन चंद और श्री सतीश लिले राम डुह्य स्क्र्शद्ब (1) श्रीमती रमेश देवी (2) श्रीमती नीलम यादव (3) श्रीमती पिंकी यादव द्वारा श्री नवीन कुमार कटियार के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित की गई थी। (1) उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती अमरवती के पक्ष में दिनांक 27.08.2010 को निष्पादित मूल विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 5930 जो दिनांक 06.06.2026 को गुम हो गई थी, जिसकी सूचना हरियाणा पुलिस को आवेदन संख्या 132250312600658 के तहत पुलिस शिकायत के अनुसार दी गई थी। यदि किसी को यह मिल जाए, तो वह इसे अधोहस्ताक्षरी को लौटा सकता है और यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी उसकी अपनी होगी। मेरा ग्राहक अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बंधक रखने का इरादा रखता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का भी संपत्ति में दावा या अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करेगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 7/7/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I, Sumer, S/O Sunil Panjwani, R/O 31 Raj Nagar Ground Floor, Pitampura, Delhi-110034 have changed my name to Sumer Panjwani for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sejal, D/O Sunil Panjwani, R/O 31 Raj Nagar 1 Floor, Pitampura, Delhi-110034 have changed my name to Sejal Panjwani for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sunil Panjwani, S/O Hira Nand, R/O 31 Raj Nagar, Pitampura, Delhi-110034 have changed my name to Sunil Kumar Panjwani for all future purposes.\

NAME CHANGE
I, Kavita Kumari Gogia, W/O Vinod Kumar, R/O MU-22 1st Floor, Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name to Kavita Gogia for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Kamlesh Balkrishna Jha S/O Balkrishna Jha R/O House no. 39, Bhagya Niwas, 1st Floor, Sushant Lok 2, Block C, Huda, Sector 55, PO: Gurgaon Sector 56, DIST: Gurgaon, Haryana - 122011 I, Have Changed My Name To Kamlesh Jha

NAME CHANGE
I AMAN UR REHMAN S/O MOHD ASHRAF R/O H NO-R-97 STREET NO-22 BRAHAMPURI DELHI-110053 , have changed my name to AMANUR REHMAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I MALKA NASREEN SULTANA W/O MOHD ASHRAF R/O H NO-R-97 STREET NO-22 BRAHAMPURI DELHI-110053 , have changed my name to NASREEN SULTANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DIPALI W/O, NO-2808175L RANK- HAV, NAME- MHAISANE GAJANAN JANRAO, Presently residing VILL- SHIRLA, POST-SHIRLA, TEH- PATUR, DIST-AKOLA, (MAHARASHTRA), PIN-444501 Have Changed my name from DIPALI TO DIPALI GAJANAN MHAISNE and Date of Birth from 01/11/1994 for all future purpose vide affidavit dated 07/07/2026 Before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, Army No. 15441891H, Rank:-HAV/PH, Name:- BAGHELE NITIN HEMRAJ., Resident of CHICHGAON, PO-GANKHARA, DIST-GONDIYA, MAHARASHTRA-441801, have changed my wife's name from RIYANKA JAGDESHWAR BISEN to RIYANKA NITIN BAGHELE for all future purposes vide Affidavit dated 06/07/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is general information that I, No. 15696983Y HAV SOLANKI VIJAYKUMAR MULABHAI S/O Sh. CHAMAR MULABHAI permanent address 168, VILL-MOTA KHANPUR, PO-KHANPUR, DIST-MAHISAGAR, GUJARAT-389230, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SOLANKI ISHA BEN & my wife's name has been wrongly written as RANJAN BEN and my name wrongly written as C V KUMAR in her Birth Certificate. The actual name of my minor daughter is SOLANKI ISHABEN, and actual name of my wife's SOLANKI RANJANBEN VIJAYKUMAR, and my actual name is SOLANKI VIJAYKUMAR MULABHAI, which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

केंद्र में सेवाएं देंगे हरियाणा के आईपीएस आलोक मित्तल, बने बीपीआरएंडडी के महानिदेशक

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा जेल विभाग के महानिदेशक आईपीएस अधिकारी आलोक मित्तल अब केंद्र में सेवाएं देंगे। आलोक मित्तल को गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरएंडडी) के महानिदेशक (डीजी) पद पर तैनात किया गया है। इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस सेवा में लंबे प्रशासनिक, अनुसंधान एवं जांच अनुभव के कारण उनकी नियुक्ति को देश में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।आलोक मित्तल पहले भी केंद्र में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। मनोहर सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें केंद्र से हरियाणा में बुलाया गया था और वह लंबे समय तक सीआईडी चीफ के पद पर भी रहे। बीपीआरएंडडी गृह मंत्रालय के अधीन देश की शीर्ष अनुसंधान एवं विकास संस्था है, जो पुलिस बलों के आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, क्षमता निर्माण तथा

सुधारात्मक प्रशासन से जुड़े विषयों पर कार्य करती है। यह संस्था केंद्र और राज्यों के बीच पुलिस सुधार, नई तकनीकों के समावेशन तथा नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आलोक मित्तल ने अपने तीन दशक से अधिक लंबे सेवा काल में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वह हरियाणा में महानिदेशक (जेल), महानिदेशक (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो), अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) एवं कानून-व्यवस्था जैसे अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अलावा वे हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक तथा नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर भी रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों में भी उनका अनुभव उल्लेखनीय रहा है।

उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में आर्थिक अपराध एवं साइबर अपराध प्रकोष्ठ में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य किया, जबकि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में इंस्पेक्टर जनरल के रूप में कई संवेदनशील मामलों की जांच का नेतृत्व किया। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आलोक मित्तल को वर्ष 2009 में पुलिस पदक तथा वर्ष 2016 में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। नई जिम्मेदारी के तहत आलोक मित्तल देशभर की पुलिसिंग को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर फॉरेंसिक, डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने, पुलिस प्रशिक्षण प्रणाली को और मजबूत करने तथा जेल सुधार संबंधी पहलों को गति देने पर विशेष ध्यान देंगे।

हरियाणा में एक करोड़ 22 लाख मतदाताओं का ब्यौरा हुआ अपलोड

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत अब तक कुल एक करोड़ 99 लाख 18 हजार 634 (96.43 प्रतिशत) मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। इनमें से एक करोड़ 22 लाख आठ हजार 806 (59.11 प्रतिशत) गणना प्रपत्र बीएलओ के माध्यम से प्राप्त कर सफलतापूर्वक अपलोड किए जा चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि मतदाता एक प्रति में आवश्यक विवरण भरकर हस्ताक्षर सहित बीएलओ को वापस सौंपें तथा दूसरी प्रति पर बीएलओ के हस्ताक्षर प्राप्त कर उसे रसीद के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। 21 जुलाई को प्रकाशित होने वाली प्रारंभिक मतदाता सूची में केवल उन्हीं मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे जिनके हस्ताक्षरित गणना प्रपत्र बीएलओ को प्राप्त होंगे। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र समय पर प्राप्त नहीं होंगे, उनके नाम प्रारंभिक मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। ऐसे में सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वे समय रहते सही एवं पूर्ण जानकारी के साथ अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा करें तथा प्राप्ति रसीद अवश्य लें। मतदाता चाहें तो अपना गणना प्रपत्र भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी भर सकते हैं।

छह माह में 75 नशा तस्करों को भेजा जेल

पानीपत। पानीपत पुलिस ने वर्ष 2026 के पहले छह माह में नशा तस्करों के खिलाफ नकेल कसने के साथ-साथ न्यायालय में नशा तस्करी के 42 मामलों में 75 आरोपियों को कारावास व जुर्माना राशि की सजा हुई है। न्यायालय द्वारा आरोपियों को 20 दिन से लेकर 20 वर्ष तक के कारावास तथा 15 हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि जनवरी से जून 2026 तक जिला पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 41 मामले दर्ज कर 54 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया। जिसमें आरोपियों के कब्जे से 489 किलो 465 ग्राम गांजा, तीन किलो 619 ग्राम चरस, 402 ग्राम हेरोइन, दो किलो 483 ग्राम अफीम तथा 88 ग्राम स्मैक बरामद की गई थी। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कस रही है और नशा तस्करी की पूरी चेन को तोड़ने के लिए सुनियोजित ढंग से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशा बेचता है या नशे का सेवन करता है तो उसकी सूचना तुरंत जिला पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। जिला पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा। इसके साथ ही गिरफ्तार नशा तस्करों द्वारा नशे की काली कमाई से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें अटैच करने की प्रक्रिया भी तेजी से अमल में लाई जा रही है।

हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को देगी 20.59 करोड़ के नकद पुरस्कार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं पैरा एशियन खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए 7 जुलाई को पंचकूला में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। उनके साथ हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम भी खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान करेंगे। खेल विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस अवसर पर कुल 198 खिलाड़ियों को 20.59 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इसमें विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं के 117 खिलाड़ियों को 13.75 करोड़ रुपये, पैरा एशियन खेल 2022 के 78 खिलाड़ियों को 4.52 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय स्तर के 3 खिलाड़ियों को 2.32 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

एचपीएससी प्रशासनिक ढांचाः डिप्टी सेक्रेटरी पद की वैधानिक स्थिति स्पष्ट करने की मांग

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के प्रशासनिक ढांचे में डिप्टी सेक्रेटरी पद को स्पष्ट वैधानिक मान्यता देने की मांग को लेकर सोमवार को राज्य सरकार के समक्ष कानूनी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता हेमंत कुमार द्वारा राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, एचपीएससी के अध्यक्ष, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, मानव संसाधन विभाग, एडवोकेट जनरल, लीगल रिमेम्ब्रेंसर तथा हरियाणा लोकायुक्त को भेजे गए प्रतिवेदन में संबंधित सेवा नियमों और कैडर व्यवस्था का हवाला देते हुए सरकार से आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करने तथा आवश्यकता होने पर नियमों में संशोधन करने का अनुरोध किया गया है। प्रतिवेदन में कहा गया है कि 23 दिसंबर, 2025 को जारी हरियाणा सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) स्ट्रेंथ एंड कंपोजिशन ऑर्डर में एचपीएससी के डिप्टी सेक्रेटरी पद का अलग से उल्लेख नहीं है। इसमें यह भी कहा गया है कि जिन पदों को एचसीएस अधिकारियों के लिए अधिसूचित किया गया है, उनका आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है। उदाहरण के तौर पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के सचिव पद का नाम शामिल है।

एएसडीडी वोटर की पहचान करने में बीएलओ का सहयोग करें बीएलए : डीसी

एजेंसी
झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के तत्वावधान में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत झज्जर जिले में गणना प्रपत्र भरवाने के साथ ही डिजिटाइजेशन का कार्य निरन्तर जारी है। मतदाता सूचियों के इस विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भी अहम भूमिका है, ऐसे में इस प्रक्रिया को सभी ने मिलकर पूरा करना है। यह बात डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कही। डीसी लघु सचिवालय सभागार में एक जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानकर चल रहे एसआईआर-2026 में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और सम्बन्धित अधिकारियों के साथ एएसडीडी वोटर और डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा बैठक ले रही थी। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया जिलाभर में जनभागीदारी के साथ निरन्तर आगे ब? रही है, ऐसे में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और बूथ लेवल एजेंट मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि एएसडीडी-एब्सेंट, शिफ्टेड, अधिकारियों (बीएलओ) के साथ नियमित बैठकें आयोजित करें तथा इन बैठकों की सूचना संबंधित चुनाव अधिकारियों को पूर्व में उपलब्ध करवाएं। डीसी ने कहा कि बीएलए व बीएलओ आवश्यकता पड़ने पर

डबल व डेथ वोटर की पहचान में बीएलओ का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया 14 जुलाई, 2026 तक जारी रहेगी तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर को किया जाएगा। डीसी ने कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने बूथ लेवल एजेंट की बूथ लेवल पड़ोसियों से जानकारी लेकर मतदाता की स्थिति जैसे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट का रिकॉर्ड तैयार करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं होंगे, उनकी बूथवार सूची पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों तथा संबंधित कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी, ताकि नागरिक समय रहते अपने दावे एवं आपत्तियां दर्ज करा सकें। उन्होंने कहा कि जिला के सभी पात्र नागरिक अपने गणना प्रपत्र समय पर भरकर संबंधित बीएलओ को अवश्य उपलब्ध कराएं।

सर्वेक्षण के समय स्वयं मतदाता मौजूद नहीं है तो परिजन दे सकेंगे हस्ताक्षर युक्त प्रपत्र

जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि रोजगार, विवाह अथवा अन्य कारणों से स्थायी रूप से दूसरे मतदान क्षेत्र में स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के संबंध में उनके परिवार का कोई वयस्क सदस्य गणना प्रपत्र बीएलओ को उपलब्ध करा सकता है। यदि सर्वेक्षण के समय मतदाता घर पर मौजूद नहीं है तो परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य उसकी ओर से प्रपत्र पर हस्ताक्षर कर जमा कर सकता है।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे, धान रोपाई कार्य में आएगी तेजी

एजेंसी
जींद। जिले में हुई बारिश ने जहां किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है वहीं शहरी क्षेत्र में जगह-जगह जलभराव होने से आमजन तथा वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिन की शुरुआत आकाश में छाए बादलों के साथ हुआ। हवा की गति भी मंद रही। मौसम में उमस भी बनी रही। दोपहर को बादल गहरे हो गए और झमाझम बारिश शुरू हो गई। जो लगभग एक घंटे तक जारी रही। इस दौरान शहर में 29.4 एमएम पानी बरसा। जबकि पिछले 24 घंटों में जींद में 41.8 एमएम बारिश दर्ज हुई है। जिसके चलते शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं। अधिकतम तापमान 35 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 63 प्रतिशत तथा हवा की गति पांच किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। आकाश में बादल छाए रहे और बारिश के आसार बने रहे। मौसम विभाग के 11 जुलाई तक बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में जिले मे औसतन आठ एमएम बारिश दर्ज की गई। जबकि जींद में सबसे ज्यादा 41.8 एमएम बारिश दर्ज की गई। जुलाना में छह एमएम, पिल्लूखेड़ा में पांच एमएम, अलेवा मे चार एमएम बारिश दर्ज की गई। गांव पांडू पिंडारा कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि जिले में मानसून पूरी तरह एक्टिवेट हो चुका है। कुछ इलाकों में अच्छी बारिश हुई है। 11 जुलाई तक बारिश की संभावना बन रही है। धान रोपाई का अच्छा समय है। बाजरा बिजाई के लिए इंतजार करें। पूरा दिन आकाश में छाए बादलों से बारिश के आसार भी बने रहे। जिले में मानसून एक्टिवेट हो चुका है। जिलेभर में बादल छाए रहे। बावजूद इसके कुछ इलाके बारिश से अछूते रहे। उचाना, नरवाना तथा सफीदों ऐसे इलाके रहे जहां बादल तो घुमड़ते रहे लेकिन बारिश नहीं हुई। जबकि जिले मे अन्य स्थानों पर हुई बारिश ने किसानों के वारे-न्यारे कर दिए हैं।

17 जुलाई को देश के प्रधानमंत्री हरियाणा देंगे सौगातें : डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी
जींद। हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि आगामी 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद रेलवे स्टेशन पर हाइड्रोजन ट्रेन का लोकार्पण करेंगे। यह ट्रेन जींद से सोनीपत तक चलेगी। यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि देश के प्रधानमंत्री 17 जुलाई को जींद की धरा पर आ रहे हैं। वे हाइड्रोजन ट्रेन का झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके साथ ही कई अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी होगा।हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने बताया कि यह 10 कोच वाली दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल होने के कारण इसमें शून्य कार्बन उत्सर्जन होगा। ट्रेन चलने पर केवल भाप और पानी निकलेगा। यह पूरे भारत में पहली ऐसी ट्रेन है, जो हरियाणा को मिली है। डा. गुप्ता ने कार्यकर्ताओं में व्याप्त उत्साह का जिक्र करते हुए कहा कि रैली के संयोजक के रूप में महामंत्री सुरेंद्र, डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, विधायकों, जिला परिषद कार्यक्रमों के बाद वे उत्तर भारत के विकास को नई गति देने वाले हैं। कार्यक्रम को लेकर जींद जिले के साथ-साथ हरियाणा प्रदेशवासियों

चेयरमैन और सभी मोर्चा व मंडल अध्यक्ष सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। कुछ कार्यकर्ता साइकिल से तो कुछ पैदल भी पहुंचने वाले हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री 17 जुलाई को ही मेडिकल कॉलेजों का ऑनलाइन लोकार्पण करेंगे। चंडीगढ़ और पंजाब में अन्य में जोश है। डा. अर्चना गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं और जनता से प्रधानमंत्री के स्वागत में भारी संख्या में शामिल होने की अपील की। यह कार्यक्रम हरियाणा के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। क्योंकि हाइड्रोजन ट्रेन जैसी अत्याधुनिक परियोजना प्रदेश को मिल रही है।

कार्य स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा अनिवार्य : उपायुक्त नेहा सिंह

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का यौन उत्पीड़न न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। इसलिए सभी सरकारी और निजी संस्थानों को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013 का प्रभावी ढंग से पालन करना चाहिए।

उपायुक्त ने बताया कि यह अधिनियम केवल नियमित महिला कर्मचारियों पर ही नहीं, बल्कि संविदा कर्मियों, इंटर्न, प्रशिक्षणार्थियों, परामर्शदाताओं, स्वयंसेवकों, घरेलू कामगारों तथा अन्य सभी कार्यरत महिलाओं पर समान रूप से लागू होता है। बिना सहमति के अनुचित स्पर्श, यौन संबंधी मांग, अश्लील टिप्पणी, अभद्र संदेश, ई-मेल या सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक सामग्री भेजना कानून के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि

प्रत्येक महिला को सुरक्षित कार्यस्थल, शिकायत दर्ज करने, गोपनीयता बनाए रखने तथा निष्पक्ष और समयबद्ध जांच का अधिकार प्राप्त है। अधिनियम की धारा-16 के अनुसार शिकायतकर्ता, प्रतिवादी, गवाहों और जांच से जुड़ी सभी जानकारियों को गोपनीय रखना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी प्रतिष्ठानों को निर्देश दिए कि जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य रूप से किया जाए तथा उसमें एक बाह्य सदस्य भी शामिल किया जाए।

साथ ही कर्मचारियों के लिए समय-समय पर जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला अपनी शिकायत संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति, जिला स्तरीय स्थानीय समिति, अधिसूचित नोडल अधिकारी या केंद्र सरकार के शी-बॉक्स पोर्टल के माध्यम से भी दर्ज करा सकती है। उपायुक्त ने कहा कि महिलाओं को भयमुक्त और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गुरुग्राम में 105 स्कूल बसों की जांच के बाद एक सप्ताह में कमियां दूर करने के आदेश

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा मानवाधिकार आयोग के निर्देशों पर विद्यार्थियों की सुरक्षित स्कूल आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार से जिले में स्कूल बसों के विशेष संयुक्त जांच अभियान की शुरुआत हुई। पहले दिन विभिन्न विद्यालयों में संचालित 105 स्कूल बसों का गहन निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान गठित संयुक्त टीम ने बसों में विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक मानकों की बारीकी से जांच करते हुए निर्धारित नियमों की अनुपालना सुनिश्चित कराई। एडीसी एवं सहायक सचिव आरटीए हरेंद्र वीर के मुताबिक यह विशेष अभियान लगातार 15 दिनों तक चलेगा, जिसके दौरान जिले में संचालित लगभग 4500 स्कूल बसों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीसी उत्तम सिंह के निर्देशानुसार अभियान को पूरी पारदर्शिता, समन्वय एवं गंभीरता के साथ संचालित किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक स्कूल वाहन सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी तथा मोटर वाहन अधिनियम के तहत निर्धारित सभी मानकों का पालन करता हुआ पाया जाए। उन्होंने बताया कि उपायुक्त के निर्देशानुसार गठित संयुक्त टीम में डीएसपी ट्रैफिक, एसडीओ-सहायक सचिव आरटीए, महाप्रबंधक कर रहा है। हरेंद्र वीर ने बताया कि पहले दिन निरीक्षण के दौरान बसों के पंजीकरण, फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, चालक के ड्राइविंग लाइसेंस, बैज, मेडिकल फिटनेस, पुलिस सत्यापन, बस परिचालक (अटेंडेंट/हेल्पर) की उपलब्धता,

हरियाणा रोडवेज गुरुग्राम, बादशाहपुर, पटौदी, मानेसर एवं सोहना के एसडीएम अथवा उनके प्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधिकारी अथवा उनके प्रतिनिधि तथा रोड सेफ्टी अधिकारी शामिल हैं। संयुक्त टीम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर स्कूल बसों का निरीक्षण स्पीड गवर्नर, जीपीएस, अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, आपातकालीन निकास, रिफ्लेक्टिव टेप, स्कूल बस की निर्धारित मार्किंग तथा आपातकालीन संपर्क विवरण सहित सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी एवं मोटर वाहन नियमों के तहत निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई।

रोडवेज कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

एजेंसी
हिसार। हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबद्ध सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य उपप्रधान एमएल सहगल के नेतृत्व में अतिरिक्त उपायुक्त को उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो के कर्मचारियों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। एसोसिएशन के नेता राजबीर सिंधु व राजपाल नैन ने सोमवार को बताया कि हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो की सभी यूनियनों की संयुक्त संघर्ष समिति पिछले 55 दिनों से धरने पर बैठी है। उनका आरोप है कि डिपो महाप्रबंधक राहुल मित्तल कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का समाधान करने के बजाय उनका उत्पीड़न कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 29 अप्रैल 2026 को 15 सूत्रीय

मांगपत्र विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और महाप्रबंधक को भेजा गया था, लेकिन अब तक किसी भी मांग पर कार्रवाई नहीं हुई। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि सीएम फ्लाइंग की छापेमारी के दौरान रोडवेज कार्यशाला में पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया, जिसमें हाईकोर्ट की रोक के बावजूद 141 पेड़ उखाड़े गए। साथ ही महाप्रबंधक पर नियमित रूप से कार्यालय में देर से आने का आरोप लगाते हुए कहा गया कि इससे कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी और आम यात्री परेशान होते हैं। एसोसिएशन ने प्रशासन से कर्मचारियों की लंबित मांगों का जल्द समाधान कराने की मांग की है। चेतावनी दी गई कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो 8 जुलाई को महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर रोष धरना दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में राजपाल नैन, बलबीर देशवाल, महेंद्र सिंह, राजबीर सिंधु, भरत सिंह पूनिया व राजेंद्र सिंह आदि भी शामिल रहे।

समाधान शिविरों में आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से हो रहा समाधान

एजेंसी
गुरुग्राम। जिला मुख्यालय एवं सभी उपमंडलों में नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम हितेंद्र कुमार ने आमजन की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का सरल, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर में बिजली, पेयजल, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई। शिविर के दौरान कुल नौ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उनमें संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम हितेंद्र कुमार ने अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों की एटीआर पोर्टल पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण एंट्री आधार है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला मुख्यालय तथा सभी उपमंडलों में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की

सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रत्येक मामले की प्रभावी निगरानी हो सके और किसी भी शिकायत को दोबारा खोलने की आवश्यकता न पड़े।

उन्होंने कहा कि शिकायतों का संतोषजनक निस्तारण ही समाधान शिविरों की सफलता का मुख्य शिकायतों की सुनवाई करते हैं तथा उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान ही सुशासन की असली पहचान : एडीसी

एजेंसी
झज्जर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह की प्रभावी पहल पर चल रहे समाधान शिविरों की श्रृंखला में डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में एडीसी जगनिवास ने लघु सचिवालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसीपी मयंक मिश्रा के साथ आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। एडीसी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। समाधान शिविरों का उद्देश्य लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें विभिन्न कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

एडीसी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाता है। इन शिविरों के माध्यम से प्रशासन सीधे आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य कर रहा है। बैठक के दौरान एडीसी ने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से उनके निस्तारण की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए तथा प्रत्येक मामले का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्रशासन की जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

झज्जर के साथ साथ बेरी, बहादुरगढ़ और बादली उपमंडलों में भी समाधान शिविर लगाए गए।

ईपीएफओ अपग्रेड पूरा, लेकिन पासबुक-दावों में देरी; नए यूएएन नियम लागू

खाताधारक पासबुक-दावे को लेकर परेशान, उमंग ऐप से ही बनेगा नया यूएएन

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब 10 दिनों तक चले डेटाबेस इंटीग्रेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हालांकि, अपडेट के बाद भी लाखों सदस्यों को पासबुक देखने, लॉगिन करने और कुछ ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में अभी भी समस्या आ रही है। संगठन ने स्वीकार किया है कि सभी सेवाओं को पूरी तरह सामान्य होने में लगभग एक से डेढ़ सप्ताह का समय लग सकता है, जबकि दावों के निपटारे में अतिरिक्त सत्यापन प्रक्रियाओं के चलते लगभग दो सप्ताह तक सामान्य से अधिक समय लग सकता है। ईपीएफओ ने सदस्यों से सहयोग की अपील की है और व्यस्त समय में बार-बार अनुरोध भेजने से बचने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है कि सेवाएं सामान्य होने के बाद ईपीएफओ यूपीआई के जरिए पीएफ खाते से निकासी की सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही यूएएन से जुड़े नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब नया यूएएन जनरेट या एक्टिवेट केवल उमंग ऐप के माध्यम से ही किया जा सकेगा, जिसके लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य होगा। ईपीएफओ का कहना है कि यह कदम सुरक्षा को मजबूत करेगा और फर्जी गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा। सदस्य अब वेबसाइट से यूएएन जनरेट नहीं कर पाएंगे।

माइक्रोसॉफ्ट में बड़ी छंटनी, 4800 कर्मचारी होंगे बाहर

लाभ मार्जिन में कमी और पुनर्गठन के तहत लिया फैसला

मुंबई ।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने वैश्विक स्तर पर करीब 4,800 कर्मचारियों की छंटनी घोषणा की है, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत है। इस फैसले से कंपनी का वीडियो गेम कारोबार एक्सबॉक्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगा, जहां लाभप्रदता में कमी और बढ़ते परिचालन दबाव को मुख्य कारण बताया गया है। कंपनी ने कहा कि एक्सबॉक्स इकाई में करीब 1,600 कर्मचारियों को पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है, जबकि चालू वित्त वर्ष में 1,600 और पदों को समाप्त किया जाएगा। एक्सबॉक्स की एक अधिकारी ने एक आंतरिक संदेश में बताया कि कारोबार की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके लाभ मार्जिन प्रतिस्पर्धी कंपनियों (जैसे सोनी प्लेस्टेशन और निनटेंडो स्विच) की तुलना में काफी कम हैं। उन्होंने गेमिंग कंसोल के पुर्जों की बढ़ती लागत को भी गेमिंग उद्योग पर दबाव का प्रमुख कारण बताया। कंपनी अब तक अधिग्रहीत चार वीडियो गेम डेवलपमेंट स्टूडियो को भी अलग कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट की अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह छंटनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए की जा रही है और इन नौकरियों की जगह कृत्रिम मेधा (एआई) नहीं ले रही है। कुल 4,800 कर्मचारियों को कारोबार पुनर्गठन और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से हटाया जा रहा है।

कोचिन शिपयार्ड ओएफएस- सरकार बेचेगी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी

सरकार ने 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया

नई दिल्ली ।

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निवेश करने की योजना बना रहे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है। भारत सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को बाजार भाव से लगभग 7 फीसदी कम कीमत पर शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। यह बिक्री 7 और 8 जुलाई को दो चरणों में होगी। सरकार ने इस ह्रस्र्ह्यस् के लिए 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 1,504.75 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह निवेशकों को बाजार भाव से करीब 7 प्रतिशत के आकर्षक डिस्काउंट पर शेयर मिलेंगे। शुरुआती चरण में सरकार अपनी 2.52 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें लगभग 33 लाख शेयर शामिल हैं। यदि निवेशकों की तरफ से अच्छी मांग रहती है, तो सरकार इतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी यानी 2.52 फीसदी और बेच सकती है, जिससे कुल बिक्री 5.04 फीसदी तक पहुंच सकती है। संस्थागत और बड़े निवेशक 7 जुलाई को बोली लगा सकेंगे।

सरकार लाएगी सहकारी जीवन बीमा और भारत टैक्सी जैसा एग्रीगेटर

मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी और 'भारत टैक्सी' की तर्ज पर एक सहकारी यूटिलिटी एग्रीगेटर को बढ़ावा देने में मदद करेगी, जिससे सहकारी क्षेत्र का विस्तार होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि इफ्को-टोक्यो जनरल इंश्योरेंस की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, जो इफ्को और जापान के टोक्यो मरीन ग्रुप का संयुक्त उद्यम है, यह नई जीवन बीमा कंपनी बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की पहुंच बढ़ाएगी। वर्तमान में भारत में लगभग 26 जीवन बीमा कंपनियां कार्यरत हैं। सूत्रों के अनुसार, सहकारी बीमा कंपनी की योजना अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इसमें मौजूदा सहकारी समितियां ही प्रारंभिक प्रवर्तक हो सकती हैं। बाद में कुछ अन्य भागीदार भी शामिल किए जा सकते हैं। इसका ढांचा बीज, जैविक खेती और निर्यात को बढ़ावा देने वाली तीन नवगठित बहु-राज्य सहकारी समितियों के समान होगा, जिन्हें अमूल और एनडीडीबी जैसी बड़ी सहकारी संस्थाओं ने मिलकर बनाया है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के फाइनैंशियल सर्विसेज रिस्क लीडर विवेक अय्यर ने इस पहल को सहकारिता मंत्रालय के वित्तीय समावेशन के व्यापक उद्देश्य से जोड़ते हुए इसे जीवन बीमा तक सहकारी दृष्टिकोण का विस्तार बताया।

रुपये में मजबूती, डॉलर के मुकाबले 15 पैसे सुधरा

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के मद्देनजर सऊदी अरब के अगस्त के लिए एशिया को कच्चे तेल के आधिकारिक बिक्री मूल्य में कटौती किए जाने की खबरों से बाजार धारणा बेहतर हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.33 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.86 पर रहा।

सेबी ने खुले बाजार से शेयर बायबैक की व्यवस्था फिर से की शुरू

1 अगस्त से प्रभावी नियम; 66 कार्य दिवस में बायबैक पूरा, पूंजीगत लाभ पर लगेगा कर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों को शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में अपने शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) करने की अनुमति को बहाल कर दिया है। यह व्यवस्था 1 अगस्त से प्रभावी होगी, जिसका उद्देश्य कंपनियों के लिए पूंजी आवंटन को सुगम बनाना और शेयरधारकों को अतिरिक्त नकदी लौटाने का एक प्रभावी माध्यम उपलब्ध कराना है। सेबी ने 2025 में असमान व्यवहार और कर संबंधी चिंताओं के कारण इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया था।

अब इसे सुगमता और क्रियान्वयन दक्षता बढ़ाने के लिए फिर से लाया गया है। नई अधिसूचना के तहत, कंपनियां 1 अगस्त से नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से बायबैक कर सकेंगी; अलग पुनर्खरीद खिड़की की आवश्यकता नहीं होगी। प्रक्रिया अधिकतम 66 कार्य दिवस में पूरी करनी होगी। यह कदम कंपनियों को अतिरिक्त नकदी लौटाने और बाजार में कमजोरी में शेयर कीमतों को सहारा देने में मदद करेगा। बायबैक कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति अब वैकल्पिक है, जिससे लागत कम होगी। कर ढांचे में बदलाव करते हुए, सार्वजनिक शेयरधारकों पर उनके वास्तविक पूंजीगत लाभ के आधार पर कर लगेगा, जिससे पहले की कर संबंधी असमानता समाप्त होगी। प्रवर्तकों के शेयर पुनर्खरीद अवधि के दौरान स्थिर रहेंगे, और कंपनियों को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) नियमों का उल्लंघन नहीं करना होगा।

आयकर रिटर्न में टैक्स क्रेडिट मिसमैच पड़ सकता है भारी

– फॉर्म 26एएस का सावधानी से करें मिलान

नई दिल्ली ।

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए टैक्स क्रेडिट का सही मिलान करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी आयकर विभाग के नोटिस, रिफंड में देरी या अतिरिक्त कर मांग का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परेशानियों से बचने के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 26एएस और अन्य कर विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान करना बेहद जरूरी है। यदि आपके द्वारा आईटीआर में दर्ज टैक्स भुगतान और आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी के बीच अंतर पाया जाता है, तो इसे टैक्स क्रेडिट मिसमैच कहा जाता है। इस स्थिति में, विभाग केवल उन्हीं टैक्स क्रेडिट को मान्यता देता है जो उसके आधिकारिक रिकॉर्ड और फॉर्म 26एएस में उपलब्ध होते हैं। यह अंतर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स या नियमित कर भुगतान से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स क्रेडिट मिसमैच के कई कारण हो सकते हैं। इनमें नियोक्ता या कर काटने वाली संस्था द्वारा गलत टीडीएस विवरण जमा करना, एडवांस या सेल्फ असेसमेंट टैक्स जमा करते समय चालान की जानकारी में त्रुटि, गलत पैन नंबर दर्ज होना, आईटीआर में कर विवरण गलत भरना, या टीडीएस रिटर्न दाखिल करने में देरी शामिल है। फॉर्म 26एएस करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान काटे गए टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स, कर रिफंड और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दर्ज रहती है। इसलिए, आईटीआर दाखिल करने से पहले इस दस्तावेज का अपनी जानकारियों से मिलान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी करदाता को अपने रिटर्न में टैक्स

क्रेडिट संबंधी संदेह हो, तो वह आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध टैक्स क्रेडिट मिसमैच सेवा का उपयोग कर सकता है। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद सर्विसेज अनुभाग में जाकर संबंधित असेसमेंट वर्ष का चयन कर अपनी त्रुटियों की जांच की जा सकती है। यदि गड़बड़ी टीडीएस से संबंधित हो, तो अपने नियोक्ता या संबंधित संस्था से संशोधित टीडीएस रिटर्न दाखिल करने का अनुरोध करें। यदि आईटीआर अभी तक प्रोसेस नहीं हुआ है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल किया जा सकता है। वहीं, यदि धारा 143(1) के तहत सूचना जारी हो चुकी है, तो ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से सुधार का अनुरोध किया जा सकता है। समय रहते इन त्रुटियों को ठीक करने से नोटिस, रिफंड में देरी और अतिरिक्त कर देनदारी जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

अब हर कोई पहचान सकेगा असली 100 का नोट

धोखाधड़ी से बचने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई ।

बाजार में खरीदारी के दौरान नकली नोटों का मिलना एक आम समस्या है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 रुपये के असली नोट की पहचान करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स बताए हैं। इन संकेतों को जानकर कोई भी व्यक्ति आसानी से नोट की प्रामाणिकता जांच सकता है और धोखाधड़ी से बच सकता है।

असली 100 रुपये के नोट की पहचान के 7 प्रमुख संकेत-

1. रोशनी में 100 दिखेगा- नोट को रोशनी के सामने रखने पर सी-थ्रू रजिस्टर में साफ तौर पर '100' का अंक दिखाई देता है।

2. देवनागरी में मूल्य- असली नोट पर अंग्रेजी के साथ-साथ देवनागरी लिपि में भी '100' अंकित होता है।

3. अशोक स्तंभ- नोट पर अशोक स्तंभ का राष्ट्रीय प्रतीक स्पष्ट और बारीक प्रिंटिंग के साथ बना होता है।

4. गवर्नर के हस्ताक्षर व आरबीआई प्रतीक- आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर, गारंटी संबंधी वचन और भारतीय रिजर्व बैंक का आधिकारिक प्रतीक स्पष्ट रूप से छपा होता है।

5. नीचे दाईं ओर सीरियल नंबर- नोट के निचले दाईं ओर सीरियल नंबर स्पष्ट, समान दूरी और सही फॉन्ट में छपा होता है।

6. ऊपर बाईं ओर भी नंबर- ऊपरी बाईं हिस्से में भी सीरियल नंबर मौजूद रहता है, जिसकी गुणवत्ता नीचे वाले नंबर जैसी ही होती है।

7. महात्मा गांधी का चित्र- नोट के सामने वाले हिस्से के बीच में महात्मा गांधी का साफ और उच्च गुणवत्ता वाला चित्र होता है।

इन फीचर्स को ध्यान में रखकर आप नकली नोटों की पहचान कर सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं।

बॉन्ड में विदेशी निवेशकों का बढ़ा भरोसा

शेयर बाजार से निकाल रहे हैं विदेशी निवेशक पैसा

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुख भारतीय बाजार में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है। एक ओर विदेशी निवेशकों ने जून के दौरान भारतीय सरकारी बॉन्ड में रिकॉर्ड 41,773 करोड़ रुपये का निवेश किया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने शेयर बाजार से 49,340 करोड़ रुपये की निकासी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के कारण विदेशी निवेशक फिलहाल सतर्क रणनीति अपना रहे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय सरकारी बॉन्ड का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा पूंजीगत लाभ और ब्याज आय पर कर संबंधी राहत, निवेश नियमों में ढील तथा भारतीय सरकारी बॉन्ड के प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने से विदेशी निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इससे आने वाले समय में वैश्विक पैसिव फंडों से भी भारत में बड़े निवेश की संभावना जताई जा रही है।हालांकि, शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके बावजूद विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद और बॉन्ड बाजार में बढ़ती भागीदारी देश के वित्तीय बाजारों के लिए सकारात्मक संकेत है।

अमारा पार्टनर्स ने करमतारा में किया 75 करोड़ का प्री-आईपीओ निवेश

नई दिल्ली ।

निजी इक्विटी कंपनी अमारा पार्टनर्स ने बिजली पारेषण क्षेत्र की करमतारा इंजीनियरिंग में उसके प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले लगभग 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को इस निवेश की जानकारी दी। यह निवेश करमतारा इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए मार्ग प्रशस्त करने और उसकी विकास योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात प्रोफाइल और फास्टनर सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है। कंपनी ने बताया कि छह जुलाई को अमारा पार्टनर्स ग्रोथ फंड-1 को 310 रुपये प्रति शेयर के

निर्गम मूल्य पर 24,19,355 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयर (सीसीपीएस) आवंटित किए गए हैं, जिससे 75 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। इस आईपीओ-पूर्व निवेश के बाद, सेबी के नियमों के अनुरूप प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने का आकार समान राशि से घटा दिया जाएगा।

सिटीमॉल की नई रणनीति कीमत से जीतेगी ई-कॉमर्स की अगली जंग

गुरुग्राम की स्टार्टअप छोटे शहरों के निम्न-मध्यम वर्ग पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम की किराना क्षेत्र की स्टार्टअप सिटीमॉल इस बात पर दांव लगा रही है कि भारत में ई-कॉमर्स की अगली लहर कीमत से जीती जाएगी, न कि गति से। यह ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी त्वरित-कॉमर्स रणनीतियों को सीधी चुनौती है। कंपनी ने छोटे शहरों में निम्न-मध्य वर्ग के परिवारों के लिए कम लागत वाला, समुदाय-संचालित डिलिवरी नेटवर्क बनाया है, जिसे सीईओ अंगद किकला अगले 20 करोड़ परिवार कहते हैं। किकला का तर्क है कि बड़े ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं ने इन परिवारों को अनदेखा किया है। उनकी रणनीति तेज डिलिवरी के बजाय कीमत को प्राथमिकता देने वाले खरीदारों को जोड़ना है, जो 2030 तक भारत के ई-कॉमर्स बाजार को 60 अरब डॉलर से 250-300 अरब डॉलर तक ले जा सकता है। 2019 में अंगद किकला, नयशील वर्धन और राहुल गिल द्वारा स्थापित सिटीमॉल ने ऐक्सेल जैसे निवेशकों से 16.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए हैं। कंपनी अब 60 से ज्यादा शहरों (यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, एनसीआर) में किराना, एफएमसीजी और घरेलू सामान बेचती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी सिटीमॉल अगले वित्त वर्ष में 1,600 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य लेकर चल रही है। किकला को उम्मीद है कि अगले कई सालों तक सालाना 50 से 60 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि बनी रहेगी, क्योंकि वे सबसे बड़े ग्राहक वर्ग, यानी निम्न-मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भारत का ऑफिस बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर, दूसरी तिमाही में 2.46 करोड़ वर्गफुट की लीजिंग

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद दूसरी तिमाही में 18 फीसदी की वृद्धि

मुंबई ।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही भारतीय ऑफिस बाजार के लिए ऐतिहासिक रही, जिसने अब तक का सबसे जोरदार प्रदर्शन दर्ज किया। एक रियल एस्टेट सेवा कंपनी के अनुसार, इस अवधि में कुल लीजिंग लगभग 2.46 करोड़ वर्ग फुट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, तिमाही के दौरान लीजिंग में पिछली तिमाही के मुकाबले 18 प्रतिशत और पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपूर्ति भी 91 प्रतिशत बढ़कर तेजी से बढ़ी। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने मांग में 42 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1.03 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग दर्ज की, जबकि फ्लेक्सिबल स्पेस परिचालकों की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत रही।

सीबीआरई के एक अधिकारी के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का परिदृश्य अच्छा है। हालांकि, रेडी-टू-मूव जगह की कमी बड़ी चुनौती है, जिससे निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए प्री-कमिटमेंट बढ़ रहे हैं। साल 2026 की पहली छमाही में कुल 4.55 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग हुई, जो किसी भी छमाही में सर्वाधिक है। इस दौरान आपूर्ति भी 3.2 करोड़ वर्ग फुट रही। फ्लेक्स, प्रौद्योगिकी और बैंकिंग, वित्तीय सेवा व बीमा (बीएफएसआई) कंपनियों ने मिलकर दूसरी तिमाही की लीजिंग में लगभग 62 प्रतिशत हिस्सेदारी निभाई। पहली छमाही में जीसीसी की कुल मांग में हिस्सेदारी 43 प्रतिशत रही।

भारत के दो एयरपोर्ट बने दुनिया के सबसे खूबसूरत, ग्लोबल सूची में मिली जगह

पेरिस।

पेरिस से जारी प्रिक्स वर्साय अवार्ड्स ने साल 2026 के लिए दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट की सूची जारी की है। यह भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इस प्रतिष्ठित सूची में देश के दो एयरपोर्ट को स्थान मिला है। बीते महीने जून में घोषित किए, इन अवार्ड्स में दुनिया भर के कुल 7 एयरपोर्ट को शामिल किया है, जिन्हें उनके आधुनिक डिजाइन, स्थिरता, क्षेत्रीय पहचान और यात्रियों को प्रदान होने वाली बेहतरीन अनुभव के आधार पर चुना गया है।

1.चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट

इस सूची में शीर्ष स्थान पर चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 रहा। ग्वांगझू, जिसे चीन का फूलों का शहर कहा जाता है, उसके नए टर्मिनल को बादल, पानी और फूलों से प्रेरित घुमावदार आकृतियों, छतों, बगीचों और रोशनी से भरे खुले हिस्सों के साथ बनाया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी परिवहन इमारतों में से एक है और इसकी खास बात चीन का सबसे ऊंचा खुला सार्वजनिक अवलोकन डेक है।

2. जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा। इस टर्मिनल को सड़कों, प्लाजा और आस-पड़ोस के चौराहों की तरह डिजाइन किया गया है, जिसका ज्यादातर हिस्सा मॉड्यूलर है।

3. गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2

भारत के लिए गौरव की बात यह है कि असम की राजधानी गुवाहाटी में स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 ने दुनिया के तीसरे सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट के रूप में पहचान बनाई है।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी।

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए

जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा- संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतन्त्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत, स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं।

एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है।

दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुठाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएँ जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है।

इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएँ न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है—लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना।

यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएँ और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है—धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है।

आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग—ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मयार्दाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मयार्दाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहीं धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवादपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते।

हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मयार्दा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। यदि धर्म की पवित्रता सुरक्षित रहेगी, तो समाज का विश्वास भी अडिग रहेगा।

भगवान महावीर का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा वैभव संग्रह में नहीं, त्याग में है; अधिकार में नहीं, उत्तरदायित्व में है; और बाहरी संपत्ति में नहीं, अंतःकरण की निर्मलता में है। यही संदेश आज प्रत्येक धार्मिक संस्था, प्रत्येक पदाधिकारी और प्रत्येक श्रद्धालु के लिए समान रूप से प्रासंगिक है।

आइए, संकल्प लें कि धर्म को कभी स्वार्थ का साधन नहीं बनने देंगे। मंदिर, स्थानक और तीर्थ केवल भवन नहीं, हमारी आत्मा के प्रतीक हैं। उनकी पवित्रता, पारदर्शिता और मयार्दा की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और धार्मिक कर्तव्य है। जब धर्म शुद्ध रहेगा, तभी समाज सुदृढ़ रहेगा; और जब आस्था सुरक्षित रहेगी, तभी संस्कृति अमर रहेगी।

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई, सतलुज के जरिये पुराने जख्मों को कुरेदना गलत है

नीरज कुमार दुबे

पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है।

हम आपको बता दें कि यह फिल्म पहले घल्लूघारा नाम से शुरू हुई थी। बाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों के बाद इसका नाम पंजाब-95 रखा गया और अंततः इसे सतलुज नाम से प्रदर्शित किया गया। फिल्म की विषयवस्तु पंजाब पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान और उस दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से लेकर 1994 के बीच हजारों अज्ञात शवों के कथित अंतिम संस्कार के मामलों की जांच की थी। बाद में उनका खुद का अपहरण हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। अदालत ने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मियों को दोषी भी ठहराया था।

देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं।

ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई। आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पंजाब कोई सामान्य राज्य नहीं, बल्कि देश का सीमावर्ती और अत्यंत संवेदनशील प्रदेश है। यहां के सामाजिक और धार्मिक तानेबाने को बिगाड़ने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं और आज भी दुश्मन ताकतें मौके की तलाश में रहती हैं। ऐसे में पुराने घावों को इस प्रकार कुरेदना, जिससे समाज में नई वैमनस्यता पैदा हो, बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि किसी भी संवेदनशील विषय को बिना व्यापक सामाजिक परिणामों पर विचार किए प्रस्तुत कर दिया जाए।

फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निमार्ताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। जब मामला इतना संवेदनशील हो, तब जिम्मेदार कलाकारों को समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने का संदेश देना चाहिए, न कि विवाद को और भड़काने वाला व्यवहार करना चाहिए। यह सही है कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर चर्चा होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। लेकिन किसी भी चर्चा का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि सीख देना होना चाहिए। पंजाब ने बहुत खून बहते देखा है। वहां की नई पीढ़ी शांति, विकास और भाईचारे के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की ऐसी प्रस्तुति, जिससे अलगाववादी मानसिकता को बल मिले या सुरक्षा बलों के मनोबल पर आघात पहुंचे, उसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। बहरहाल, सरकार का निर्णय इसी व्यापक राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ऊपर राष्ट्र की एकता, सामाजिक सद्भाव और सीमावर्ती राज्यों की स्थिरता है। पंजाब ने कठिन संघर्ष के बाद शांति हासिल की है।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग के विषयों पर चर्चा की

दोहा , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और सुरक्षा समेत आपसी सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की. जयशंकर पांच से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के दौरे पर हैं. खाड़ी देशों का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव खत्म करने के समझौते के बाद पश्चिम एशिया में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं. जयशंकर ने कतर में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कतर के प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं, खासकर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों की समीक्षा की. साथ ही, अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की. ' जयशंकर ने प्रधानमंत्री अल-थानी के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष और उसके असर के बारे में भी चर्चा की; अल-थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं. अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे. हफ्तों तक बढ़ते तनाव के बाद ईरान में युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान भी मध्यस्थ के तौर पर सामने आए. शुक्रवार से शुरू हुए ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हफ्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रहेगी. खाड़ी के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके बाद, वे 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे और ईयू तथा बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ लंदन में फूटा कश्मीरियों का गुस्सा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कें सोमवार को पाकिस्तान विरोधी नारों से गूंज उठीं। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले हजारों कश्मीरियों ने 'लंदन कश्मीर मिलियन मार्च' के जरिए पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और दमनकारी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह विशाल मार्च पार्लियामेंट स्क्वायर से शुरू होकर लंदन स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने न केवल आजादी के समर्थन में नारे लगाए, बल्कि क्क्ष्छ्य में जारी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और स्थानीय जनता पर हो रहे सैन्य अत्याचारों को लेकर पाकिस्तानी हुकूमत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने इस मार्च का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्सेज के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक हक नहीं मिल जाता। हम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य कश्मीरी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद पर आरोप लग रहे हैं कि वह पीओजेके में सरकार विरोधी जनआंदोलन को दबाने के लिए लगातार अमानवीय और सख्त कदम उठा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इन गिरफ्तारियों को कश्मीरियों की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया। लंदन में हुए इस 'मिलियन मार्च' ने यह साफ कर दिया है कि पीओजेके का मुद्दा अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

ईंधन खजाने पर बैठे रूस में तेल-गैस की किल्लत! 18-18 घंटे लगानी पड़ रही लाइन

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन पिछले पांच साल से एक-दूसरे से जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच इस युद्ध से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस बड़ी संख्या में तेल खरीद रहा है। ऐसे में लोग ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश आज खुद तेल आयात क्यों कर रहा है? रिपोर्ट के मुताबिक, रूस इस समय तेल की कमी से जूझ रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई इलाकों में लोगों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल रहा है। ऐसे में सवाल आता है कि जो रूस कल तक पूरी दुनिया को तेल बेचता था उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि वो आज तेल खरीदने को मजबूर हो गया है? इसमें अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका है?

यूक्रेन ने तबाह की रिफाइनरी : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस में उत्पन्न हुई ईंधन संकट के पीछे सबसे बड़ा हाथ यूक्रेन की ओर से लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का है। जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन मार्च 2026 से अब तक लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस की तेल रिफाइनरियों और तेल भंडारण केंद्रों को निशाना बना रही है। यूक्रेन हमलों में रूस की आधी से ज्यादा रिफाइनरियां या तो बंद हो गई हैं या फिर उनके उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है। इससे रूस को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की 10 सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से 8 पर हमले हो चुके हैं। हाल ही में 4 जुलाई को यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक बड़ी रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.25 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पाद तैयार करती है। लगातार हमलों की वजह से रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता में लगभग 42.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका : रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस की इस स्थिति में अमेरिका-ईरान युद्ध की भी भूमिका है। दरअसल अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध के दौरान ईरान ने सिर्फ इनके सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि मिडिल ईस्ट के देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया। इसके अलावा मिडिल ईस्ट के देशों की आय का बड़ा हिस्सा तेल बेचने से ही आता है, जो अमेरिका के सहयोगी भी हैं। ऐसे में इन देशों ने न केवल अमेरिका पर युद्ध रोकने का दबाव बनाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ समजौता करने पर लगभग मजबूर कर दिया।

यूक्रेन भी ईरान की इसी रणनीति को अब रूस के खिलाफ अपना रहा है। क्योंकि यूक्रेन को पता है कि आमने-सामने की लड़ाई में रूस को हरा पाना नामुमकिन है। साथ ही रूस को तब तक समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक वो आर्थिक रूप से मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन ईरान की तरह रूस के तेल रिफाइनरियों पर हमला कर रहा है। ताकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके। कई लोगों के मन में सवाल है कि रूस जैसी सैन्य महाशक्ति यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकने में सफल क्यों नहीं हो रही है। इसके पीछे कई कारण हैं।

यूक्रेन के सस्ते और आधुनिक ड्रोन: यूक्रेन के कई ड्रोन अपेक्षाकृत कम लागत वाले हैं और जमीन से बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसी वजह से रूस की महंगी एयर डिफेंस प्रणाली, जैसे स्-400, उन्हें समय पर पहचान नहीं पाती। रूस का विशाल भूभाग है: दुनिया का सबसे बड़ा देश होने के कारण उसकी हर रिफाइनरी, तेल डिपो और ऊर्जा केंद्र की सुरक्षा करना आसान नहीं है। हर जगह एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना संभव नहीं हो पाता।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंध: इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को कई जरूरी विदेशी मशीनें और उपकरण नहीं मिल पा रहे हैं, जिनकी जरूरत रिफाइनरियों की मरम्मत के लिए होती है। इसलिए क्षतिग्रस्त संयंत्रों को जल्दी ठीक करना मुश्किल हो रहा है।रिफाइनरियों को नुकसान पहुंचने का असर अब रूस की जनता पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

देश के 83 में से 55 से ज्यादा क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर सीमाएं लगा दी गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। कुछ इलाकों में लोगों को सिर्फ 20 से 30 लीटर तक ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति है। वहीं साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में अधिकतम 40 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है।

पाकिस्तान-तुर्किये की दोस्ती: व्यापार के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, 'तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है।'

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, 'रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। इस्लामाबाद और अंकारा ने अपने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.3 अरब डॉलर था। इस व्यापारिक अंतर को पाटने के लिए दोनों देशों के संबंधित मंत्रालय कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) बनाने पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'पाकिस्तान-तुर्किये बिजनेस कॉन्फ्रेंस' ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि दोनों देशों के आर्थिक संबंध अब एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान 1.3 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को सीधे 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। **रक्षा क्षेत्र पर महा-फोकस:** राष्ट्रपति एर्दोगन ने नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की असली रीढ़ करार दिया है। व्यापारिक और औद्योगिक सहयोग को जमीन पर उतारने के लिए कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में तुर्किये का कुल निवेश लगभग 2 अरब डॉलर है, और तुर्किये कंपनियों ने वहां 3.5 अरब डॉलर के 72 प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए हैं।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और

तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सहआरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी। इससे 15 मार्च से खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या 738 हो गई है।

आ रहा सुपर तूफान बावी, 280 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं और समुद्र में उठेंगी लहरें; अलर्ट जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह भीषण सुपर टाइफून के खतरे का सामना कर रहे हैं। साल 2026 में यह दूसरी बार है जब इस क्षेत्र पर किसी सुपर तूफान का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सुपर टाइफून बावी रविवार को टिनियन और रोता द्वीपों की ओर तेजी से बढ़ रहा था। अमेरिकी संयुक्त टाइफून चेतावनी केंद्र के अनुसार, तूफान की अधिकतम रफ्तार 169 मील प्रति घंटा (करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई है। इसे पांच स्तरों वाले सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर कैटेगरी-5 का तूफान माना गया है, जो सबसे विनाशकारी श्रेणी होती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि द्वीपों तक पहुंचने से पहले इसकी ताकत और भी बढ़ सकती है।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, अधिकांश पूर्वानुमान यह संकेत दे रहे हैं कि सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तूफान की तीव्रता अनुमान से भी अधिक हो सकती है। इसी कारण प्रशासन ने लोगों को पहले से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के पूरी तरह गुजरने तक लोग मजबूत इमारतों के भीतर ही रहें और किसी भी स्थिति में बाहर निकलने की कोशिश न करें। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के गवर्नर ने सोशल मीडिया के जरिए नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और तूफान के दौरान घरों या सुरक्षित आश्रय स्थलों से बाहर न निकलें। इस गंभीर खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के लिए आपातकालीन आपदा घोषणा को मंजूरी दे दी थी। इससे संघीय एजेंसियों को राहत सामग्री, संसाधन और आपदा प्रबंधन सहायता तेजी से उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह से गुजरने के बाद सुपर टाइफून बावी पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले वीकेंड तक ताइवान के लिए भी खतरा बन सकता है। अनुमान है कि उस समय इसकी रफ्तार कम होकर भी कम से कम 127 मील प्रति घंटा (करीब 204 किलोमीटर प्रति घंटा) रह सकती है, जो इसे कैटेगरी-3 का शक्तिशाली तूफान बनाए रखेगी। इसी साल अप्रैल में सुपर टाइफून सिनलाकू ने सैपन समेत उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और लोगों को पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी।

सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी हमारा दोस्त, जेडी वेंस के दावे का नेतन्याहू ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी उनका दोस्त है। इस तरह उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया में अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी बचा हुआ है। नेतन्याहू ने 'फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग' कार्यक्रम में कहाकि इजरायल को भारत सहित कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

नेतन्याहू ने कहाकि हमारे कुछ और मित्र भी हैं, जैसे भारत नाम का एक देश। आप जानते हैं, वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और, सच कहूं तो, हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान वेंस ने कहा था कि इजराइल को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से जब उन खबरों के बारे में पूछा गया था कि इजरायली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था कि यदि मैं इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो दुनिया में बचे अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें 'फेसबुक' पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि फेसबुक पर मुझे भारी समर्थन मिलता है। संभव है कि कई अन्य जगहों से भी मुझे समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज कर दिया कि इजराइल का कोई अन्य सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने कहाकि हमारे बहुत से मित्र हैं। उन्होंने कहाकि कई देश इजरायल की उन्नत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि आप जानते हैं, कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, 'देखिए, हमारे यहां जनमत को लेकर कुछ मुश्किलें हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ करार कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना की कुछ चीजें सिखा सकते हैं? और क्या हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता मिल सकती है?' नेतन्याहू ने कहाकि साइबर क्षेत्र में इजरायल दुनिया का दूसरा सबसे अग्रणी देश है और हमारी प्रौद्योगिकी बेहद उन्नत है। इसलिए हमारे संबंध वास्तव में वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में ईरान, क्षेत्रीय सुरक्षा और सऊदी अरब के साथ संबंधों पर चर्चा होगी। इजरायली मीडिया की खबरों के मुताबिक, नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान निकट भविष्य में अमेरिका में मिलने पर सहमति बनी थी।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचार: हजारों प्रदर्शनकारियों पर बरसाई गोलियां, एक व्यक्ति की मौत; कई घायल

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबालों ने कई जगह गोलियां बरसाई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डड्याल अंब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों-प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों की बाइक क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा मनक पियन, संगी मेरा, तरीकाबाद, लोअर छत्रा और बेइला नूर शाह में भी झड़पें हुईं।

पिछले महीने मारे गए 30 प्रदर्शनकारी : पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में आठ जून को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनकी तरफ राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए।

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव, एजेंसी। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है. इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबर हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, 'इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. यह पुतिन की खासियत है. अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला पिछले गुरुवार को कीव पर रूस के एक बड़े हमले के बाद हुआ है, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए थे. यह युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की राजधानी पर तीसरा

सबसे जानलेवा हमला है. अंकारा में मंगलवार से शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा होने की उम्मीद है.

रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क इलाके में और ज़्यादा इलाके पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी है., जो क्रेमलिन का एक मख्य मकसद है. साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी इलाके के अंदर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और मिलिट्री फैक्ट्रियों सहित जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 4 जुलाई को लगभग 90 मिनट तक फोन पर बात हुई. रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, ट्रंप ने फिर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की. जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय हुआ है. जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

■ प्रोटीन बेस ■ पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज ■ एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स ■ फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला ■ प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं-

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4-5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

■ सूरजमुखी के बीज ■ चिया बीज ■ अलसी का बीज ■ कद्दू के बीज ■ ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे- काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे- तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

इम्यून सिस्टम

रखें दुरुस्त बीमारियों से बचे रहेंगे

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 53 मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलकर कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

अध्ययन किस बारे में बात कर रहा है?

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करते हैं कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बताते हैं कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टैट किड्स स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 और 36 महीने की उम्र में अपने बच्चों की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे-धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिताते थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते हैं। वहीं माता-पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां-बाप जितने ज्यादा पढ़े-लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े-लिखे मां-बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां-बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 5004

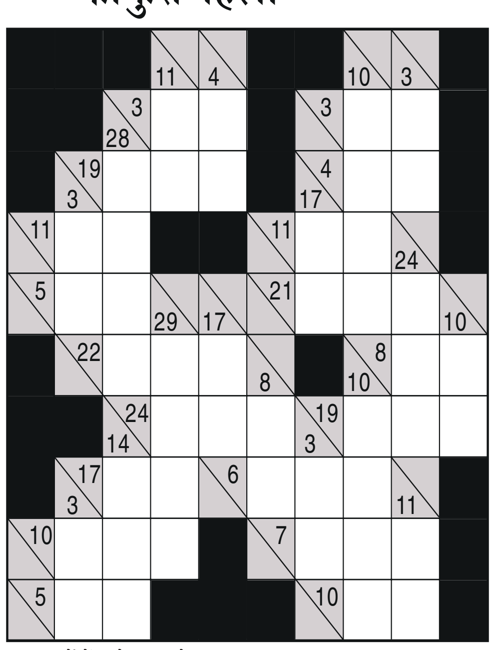

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

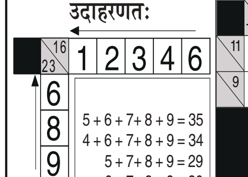

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 5003 का हल

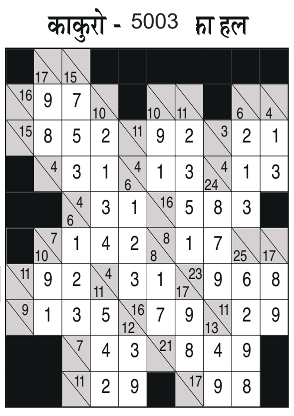

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

फिल्म वर्ग पहेली- 5004

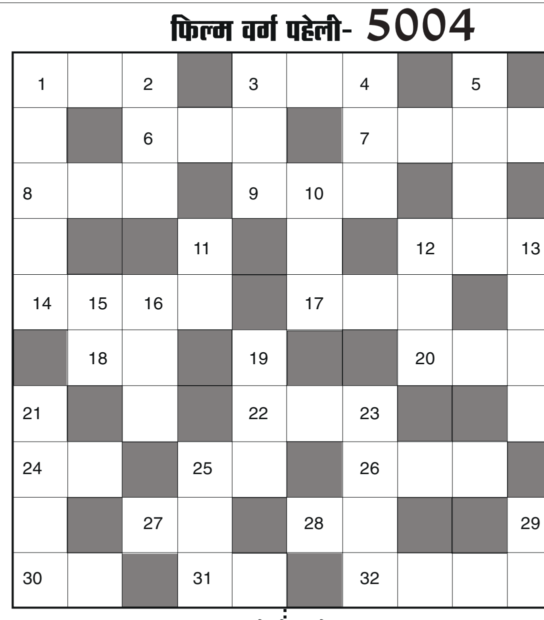

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5003

सूडोकु 5004

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5003 हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली -5004

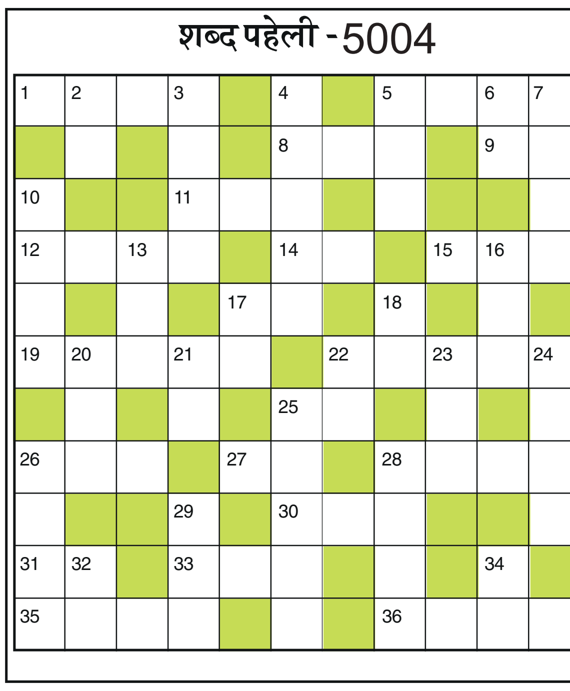

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 5003 हल

माउंट आबू में 'संकल्प पत्र' जारी होने के साथ हुआ 'सुधार उत्सव एवं चिंतन शिविर' का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली/माउंट आबू। राजस्थान के माउंट आबू स्थित शांत ज्ञान सरोवर में आयोजित दो दिवसीय 'सुधार उत्सव एवं चिंतन शिविर 2026' कार्यक्रम का समापन 'संकल्प पत्र' जारी करने के साथ हुआ। इसमें संविधान, सत्यनिष्ठ, उत्कृष्टता, नवाचार, सरल, नागरिक-केंद्रित कानून, तकनीक और एआई का उपयोग, सहयोग की संस्कृति शामिल है। समयऔर कैलेंडर विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार यह 'संकल्प पत्र' सचिव डॉ. राजीव मणि ने जारी किया था। इस विशेष शिविर का संचालन विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग और विधि विभाग ने संयुक्त रूप से किया। इसका उद्घाटन केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने किया था, जो 4 और 5 जुलाई को चला। शिविर का मुख्य उद्देश्य देश में एक आधुनिक, प्रौद्योगिकी-आधारित और नागरिक-केंद्रित कानूनी व्यवस्था विकसित करना तथा 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना था। समयऔर कैलेंडर इस शिविर के विभिन्न सत्रों में कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन किया गया। इस विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप एक व्यापक दृष्टिकोण दस्तावेज तैयार किया गया, जिसमें ठोस सुधार प्रस्ताव और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए सिफारिशें शामिल हैं। समापन सत्र के दौरान मेघवाल ने मंत्रालय की हालिया उपलब्धियों की समीक्षा करने, प्रमुख विधिक एवं संस्थागत सुधारों पर चर्चा करने और भारत के कानूनी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए एक दूरदर्शी कार्यसूची तैयार करने के निर्देश दिए।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में एनएचएआई अधिकारी सहित दो लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), शिलांग के परियोजना निदेशक और दो निजी व्यक्तियों को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने शिकायत के आधार पर एनएचएआई, शिलांग के आरोपित लोक सेवक और एक निजी व्यक्ति तथा अन्य के खिलाफ 1 जुलाई को मामला दर्ज किया था। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में एनएचएआई के परियोजना निदेशक (पीआईयू) आनंद सिंह चौहान और दो निजी व्यक्ति पुनीत अग्रवाल और मनीष अग्रवाल शामिल हैं। जांच एजेंसी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी निजी व्यक्ति को शिकायतकर्ता से 4 लाख रुपये की रिश्वत की मांग करते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। मामले में आरोपितों के संबंधित परिसरों में तलाशी भी ली गई। आरोप है कि एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने शिकायतकर्ता से 13.38 करोड़ रुपये के बकाया बिल को पास कराने के लिए 12 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपित लोक सेवक ने शिकायतकर्ता 4 लाख रुपये अग्रिम रूप मांगे। आरोपित लोक सेवक ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की राशि गुवाहाटी में एक व्यक्ति को सौंपने को कहा जिसने आगे एक अन्य व्यक्ति को सौंपने के लिए कहा।

एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सख्ती, सत्रह दिन में 62 उल्लंघन के मामले आए सामने

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की प्रवर्तन कार्यबल की 134वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में 14 जून से 30 जून 2026 के बीच हुई प्रवर्तन कार्रवाई, निरीक्षण और अनुपालन की समीक्षा की गई। समयऔर कैलेंडर आयोग के फ्लाइंग स्क्वॉड ने इस दौरान 17 दिनों में कुल 173 निरीक्षण किए। इनमें 15 निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) स्थलों, 91 औद्योगिक इकाइयों और 67 डीजल जनरेटर (डीजी) सेटों का निरीक्षण शामिल रहा। जांच के दौरान कुल 62 उल्लंघन के मामले सामने आए, जिनमें 7 सीएंडडी साइटों, 31 औद्योगिक इकाइयों और 24 डीजी सेटों से जुड़े मामले शामिल हैं। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर 4 इकाइयों को बंद करने, 27 डीजी सेट सील करने, 6 अनुपालन आदेश जारी करने और 17 मामलों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने का प्रस्ताव किया गया। बैठक में 133वीं ईटीएफ बैठक के बाद की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। आयोग ने बताया कि औद्योगिक, सीएंडडी और डीजी सेट से जुड़े सभी मामलों में संबंधित एजेंसियों ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली है। अनुपालन की पुष्टि के बाद 7 परियोजनाओं को दोबारा संचालन की अनुमति दी गई, जिनमें 2 उत्तर प्रदेश और 5 हरियाणा में हैं। समयऔर कैलेंडर आयोग ने 6 जुलाई 2026 तक की संचयी प्रवर्तन स्थिति भी साझा की। इसके अनुसार अब तक 27,750 इकाइयों, परियोजनाओं और संस्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 10 करोड़ 65 लाख रुपये की कोकीन बरामद, विदेशी महिला गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर 10.65 करोड़ रुपये की 2.128 किलोग्राम कोकीन के साथ एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है। समयऔर कैलेंडर इस घटना की छानबीन कर रहे डीआरआई के अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम को विदेशी महिला के संदर्भ में गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी रखा था। फ्रीटाउन से नैरोबी के रास्ते मुंबई एयरपोर्ट पर आई एक विदेशी महिला यात्री को डीआरआई ने रोका और उसके सामान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान महिला के एक ट्रॉली बैग के मेटल हैंडल में 17 पैकेट छिपे हुए मिले, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की छानबीन जारी है।

दिल्ली रिज को बनाया जाएगा राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के महत्वाकांक्षी 70 लाख पौधारोपण अभियान के अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली के रिज क्षेत्र में बड़ी संख्या में कांटेदार बबूल और कई तरह के ऐसे पेड़ है, जो देखने में हरियाली का अहसास तो कराते हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए उतने लाभदायक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू कर रही है। गृह मंत्री ने बताया कि 1994 में भारतीय वन अधिनियम के तहत 7,784 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को अधिसूचित किया गया था, लेकिन पिछले 30 वर्षों में इसकी अंतिम अधिसूचना जारी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इसके संरक्षण की दिशा

में अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अमित शाह ने रेखा गुप्ता सरकार की सराहना करते हुए कहा कि अब 5,000 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को वन क्षेत्र घोषित किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही पूरे रिज क्षेत्र को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इसके जरिए रिज की जैव विविधता को पुनर्जीवित, मिट्टी और जल संसाधनों का संरक्षण तथा दिल्ली के पर्यावरण को नई ऊर्जा और नया जीवन देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में पूरे रिज क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से पीपल, बरगद, नीम, गूलर, अर्जुन और जामुन जैसे ऐसे पेड़ लगाए जाएंगे, जो 100 वर्ष से अधिक समय तक जीवित रह सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी के साथ दिल्ली रिज को राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' के रूप में विकसित करने का मिशन शुरू हो गया है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भी जमकर सराहना की। उन्होंने इसे देश में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बेहद प्रेरणादायक और अनूठा प्रयास बताया। इस अभियान में नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) भी अहम भूमिका निभा रही है। एनडीएमसी ने इस अभियान के तहत करीब 600 पेड़ और 50 हजार झाड़ियां लगाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'आज दिल्ली सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम एक ही मंच से आयोजित किए गए हैं।

एनएसयूआई में चुनाव बहाली और एजुकेशन चार्टर की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एनएसयूआई चुनावों की बहाली की घोषणा की। राज्यवार सदस्यता अभियान से इसकी शुरुआत होगी और तकनीक आधारित पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए कॉलेज से लेकर राज्य स्तर तक संगठनात्मक चुनाव कराए जाएंगे। कांग्रेस नेता और एनएसयूआई दिल्ली प्रभारी कन्हैया कुमार, एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की किरण मुगाबसव और कांग्रेस के डिजिटल विभाग के राष्ट्रीय संयोजक के.के. शास्त्री ने संयुक्त पत्रकार वार्ता कर इसकी घोषणा की। कन्हैया कुमार ने कहा कि नीट पर्चा लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए और पेपर लीक माफिया से उनके कथित संबंधों की जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश की शिक्षा व्यवस्था को 'आईसीयू' में पहुंचा दिया है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देशभर के छात्रों से मिल रहे हैं और उनकी बात सुन रहे हैं ताकि शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन लाया जा सके। कन्हैया कुमार ने कहा कि कांग्रेस की तीन प्रमुख मांगें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और पेपर लीक माफिया से उनके संबंधों की जांच, शिक्षा व्यवस्था में बदलाव जिसके लिए यूपीए सरकार ने कमेटी बनाई थी लेकिन एनडीए सरकार ने मनमाने तरीके से एनटीए का गठन कर दिया और युवाओं के लिए नियमित जॉब कैलेंडर तथा परीक्षा भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक अकादमिक कैलेंडर जारी किया जाए।

डिग्री प्राप्त करना ही शिक्षा का उद्देश्य नहीं, चरित्र निर्माण भी जरूरी : सैयद अता हसनैन

एजेंसी

वाराणसी। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री और रोजगार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच, नैतिक मूल्यों, चरित्र निर्माण और जिम्मेदार नागरिकता का विकास भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध, नवाचार, अंतर्विषयक अध्ययन और उद्योगों के साथ सहयोग को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

राज्यपाल हसनैन उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के यूनेस्को चेयर फॉर पीस एंड इंटरकल्चरल अंडरस्टैंडिंग तथा मालवीय सेंटर फॉर पीस रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इक्कीसवीं सदी के लिए शैक्षिक सुधारः डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत के आलोक में शिक्षा की पुनर्कल्पना विषयक सम्मेलन का आयोजन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 125वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया है। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल ने कहा कि

विश्वविद्यालयों को केवल शिक्षण संस्थानों के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने वाले रणनीतिक संस्थानों के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शैक्षिक सुधारों को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भ्रामक सूचनाओं जैसी उभरती वैश्विक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को बदलते समय की इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार करें।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि यूनेस्को महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन फॉर पीस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट के निदेशक प्रो. ओबिजियोफोर अगिनम ने शिक्षा को समाज की साझा जिम्मेदारी बताते हुए करुणा, सहानुभूति और मानवीय मूल्यों पर आधारित विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षा के लिए यूनेस्को की न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट की अवधारणा का उल्लेख भी किया। बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि तीव्र तकनीकी विकास, इंटरनेट की व्यापक पहुंच और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में उच्च शिक्षा के स्वरूप में तेजी से बदलाव हो रहा है।

मप्र के सीहोर में ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 5 की मौत, 4 गंभीर

एजेंसी

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो गाड़ी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी भयानक थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और शव गाड़ी के मलबे में ही फंसे रह गए।

यह हादसा दोपहर करीब 2:45 बजे आष्टा और शुजालपुर के बीच स्थित ग्राम मेना गोदी के पास घटित हुआ। चश्मदीदों ने बताया कि टक्कर का प्रभाव इतना जबरदस्त था कि बोलेरो में सवार 3 लोग हवा में उछलकर करीब 15-20 फीट दूर जाकर गिरे। वहीं, बोलेरो चला रहे ड्राइवर का खून से सना शव और अन्य यात्री गाड़ी के क्षतिग्रस्त हिस्से में ही बुरी तरह फंस गया। हादसे में दो लोगों के पैर टूट गए, जबकि अन्य के सिर और छाती में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। आष्टा एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने बताया कि बोलेरो में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें राजाराम सुंदर (45), भगवान (50), इंदर सिंह (55), राधेश्याम (38), बनेसिंह (22), गुलाबचंद (30), हेमराज (25), देवीराम (60), अमरसिंह (45) शामिल थे। ये सभी राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के

अंतर्गत आने वाले ग्राम भियापुरा के रहने वाले थे। ये सभी ग्रामीण किसी बीमारी का इलाज कराने के लिए आष्टा जा रहे थे, लेकिन पहुंचने से पहले ही मेना गोदी गांव के पास यह हादसा हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और आष्टा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद बोलेरो के मलबे को कटर की मदद से काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। सभी को तुरंत सिविल अस्पताल आष्टा पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सीहोर जिला अस्पताल और फिर हालत बेहद नाजुक होने के कारण आपातकालीन उपचार के लिए भोपाल रेफर कर दिया गया है। एडिशनल एसपी सुनीता रावत ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना के वक्त और अस्पताल लाते समय पहले 4 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन इलाज के दौरान एक और गंभीर घायल ने दम तोड़ दिया, जिससे कुल मृतकों की संख्या 5 हो गई है। उन्होंने बताया कि अब तक जिन मृतकों की शिनाख्त हो पाई है, उनमें इंदरसिंह पुत्र नंदराम और राजाराम पुत्र गणपत शामिल हैं, जो भियापुरा (राजगढ़) के निवासी थे। अन्य तीन मृतकों की पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है। हादसे के बाद आरोपित ट्रक चालक अपने वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

नितिन नवीन के राजनीतिक सफर पर प्रधानमंत्री ने साझा की पोस्ट, कहा-

उनकी सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल का भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन पर हमले का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पोस्ट साझा कर जवाब दिया। उन्होंने नितिन नवीन के कॉलेज सहपाठी, पीयूष पद्माकर द्वारा लिखे गए संस्मरणों को साझा कर कहा कि ये सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। समयऔर कैलेंडर

नितिन नवीन के सहपाठी पीयूष पद्माकर ने 1998 के दिनों को याद करते हुए कहा कि किस प्रकार एक विधायक का बेटा होने के बावजूद नितिन नवीन ने संघर्ष किया। उन्होंने लिखा कि ''ये कहानी साल 1998 से शुरू होती है। मैं और नितिन दोनों दिल्ली में ही पढ़ते थे। दोनों ने बारहवीं की पढ़ाई पूरी की। वो सीएसकेएम में पढ़ते थे और मैं केंद्रीय विद्यालय में। नितिन के पिताजी विधायक थे लेकिन मुझे बहुत मानते थे। मेरे पिताजी और

नवीन जी के पिता जी बरसों पुराने दोस्त थे। 1998 के मई और जून के महीने में मैं और नितिन साथ एक ही कमरे में रहते थे। 12वीं पास होने के बाद हम दिल्ली के अलग अलग कॉलेज में दाखिले की दौड़ में शामिल हुए थे। नितिन विधायक का बेटा था लेकिन घमंड एक पैसे का नहीं। लंच में बीस रुपए की थाली हम शेयर करते थे ताकि दस रुपए बच सके। डीटीसी बस में चलते थे, ताकि ऑटो का किराया बच सके। टैक्सी ले लें, इतनी बात नितिन के मुँह से कभी निकली भी नहीं। उस ज़माने में टैक्सी का मतलब पचास रुपये से ऊपर का खर्च था।

हमारे छह सात दोस्त अगर आ जाते तो हम दोनों सोचते थे आज थाली कैसे ऑर्डर की जाए ताकि कम खर्च हो। उस वक्त भी नितिन ने कभी किसी को दिखाने या जताने के लिए भी नहीं कहा - वो एमएलए का बेटा है ।'' पीयूष ने कालेज के दिनों में घर लेने की एक घटना को याद करते हुए कहा कि नितिन नवीन सहित चार दोस्त दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन इलाक़े में मल्टी स्टोरी में रहना चाहते थे लेकिन वहां वे मकान ले नही पाए। उन्होंने कहा'' दिल्ली के प्रॉपर्टी डीलर को पता चला किरायेदार के पिता बिहार की राजधानी पटना के विधायक हैं उसने महंगे फ़्लैट दिखाने शुरू कर दिए। बाद में नितिन ने ही कहा, हमारा बजट महीने का दो हज़ार है। पापा इससे ज़्यादा नहीं देंगे। रहना, खाना, कॉलेज जाना, सब दो हज़ार रुपए में करना होगा। इसके बाद अपार्टमेंट में रहना भूलना पड़ा । पश्चिम विनोद नगर के मंडावली इलाक़े में अंदर की गली में आज का बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन अपने तीन दोस्तों के साथ रहने लगा। नौकर या मेड रखने के पैसे थे नहीं। दो दोस्त सुबह सुबह ब्रेकफास्ट बनाते तो बाकी दो दोस्त बर्तन धोते। झाड़ू पोछा लगाते। शुरू शुरू में मैं और नितिन एक साथ ड्यूटी पर लगे। दोनों मिलकर झूठे बर्तन भी धो लेते थे। झाड़ू भी लगा लेते थे। पोछा भी।

फिर फटाफट तैयार होकर दो बस बदलकर कॉलेज पहुंच जाते थे। नितिन उस ज़माने में भी चारों दोस्तों में सबसे ज़्यादा अनुशासित और मिलनसार था। झगड़े हमारे होते तो सुलझाता नितिन था ''।

दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम, शाहजाद भट्टी नेटवर्क के 6 गुर्गे गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना पर पेट्रोल बम से हमला करने की साजिश रच रहा था, जबकि दूसरा मॉड्यूल पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियारों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने दिल्ली, उत्त प्रदेश और पंजाब से जुड़े छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, तीन अत्याधुनिक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो कारें, एक चोरी की बाइक, मोबाइल फोन और पाकिस्तानी हैंडलरों से हुई बातचीत के डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज (एनडीआर) की टीम ने की। पूरी कार्रवाई डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी की निगरानी में एसीपी विवेक कुमार त्यागी तथा इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज की टीम ने अंजाम दी। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। समयऔर कैलेंडर जांच में सामने आया कि पहला मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर राना हुनैन के इशारे पर काम कर रहा था। राना हुनैन, शाहजाद भट्टी का करीबी सहयोगी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक मॉड्यूल का मकसद दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना की रेकी कर पेट्रोल बम से हमला करना था। स्पेशल सेल ने विजय घाट इलाके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, 2,000 रुपये नकद, एक चोरी की मोटरसाइकिल और ऐसे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

देश ने कारगिल के 'शेरशाह' कैप्टन विक्रम बत्रा को उनके बलिदान दिवस पर किया याद, शीर्ष नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। कारगिल युद्ध के महानायक, परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन विक्रम बत्रा के बलिदान दिवस पर मंगलवार को पूरे देश ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित केंद्र सरकार के कई मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य राजनीतिक नेताओं ने कारगिल के 'शेरशाह' के नाम से विख्यात इस वीर सपूत के अदम्य साहस, अद्वितीय नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने कहा कि कैप्टन विक्रम बत्रा का जीवन और उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति का अमिट आदर्श है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान दुर्गम पर्वतीय चोटियों पर कैप्टन विक्रम बत्रा ने असाधारण साहस, निडर नेतृत्व और अटूट राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देती रहेगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण दुर्गम चोटियों पर विजय प्राप्त कर दुश्मनों को पीछे हटने पर मजबूर करने वाले परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा का अदम्य साहस, अटूट संकल्प और अप्रतिम पराक्रम उन्हें 'शेरशाह' के रूप में अमर बनाता है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के प्रति उनका सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता रहेगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कैप्टन विक्रम बत्रा की शौर्यगाथा युगों-युगों तक देश की भावी पीढ़ियों को मातृभूमि की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देती रहेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर वीरता की ऐसी अमिट मिसाल स्थापित की, जो प्रत्येक भारतीय को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देशसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। उनका अमर बलिदान भारत के गौरव और तिरंगे की आन, बान और शान का शाश्वत प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मां भारती की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले इस वीर सपूत का अद्वितीय शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति सदैव देशवासियों को कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि कारगिल युद्ध में कैप्टन विक्रम बत्रा ने अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन की दुर्गम चौकियों पर विजय प्राप्त की और भारतीय सेना के शौर्य का परचम लहराया। उनका जीवन युवाओं को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ने और सशक्त, सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर कैप्टन विक्रम बत्रा शत्रुओं पर काल की भांति टूट पड़े और मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य और पराक्रम सदैव राष्ट्रसेवा के लिए नई ऊर्जा का संचार करता रहेगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी कहा कि उनका अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैप्टन विक्रम बत्रा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपने अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से भारत माता की रक्षा करते हुए अमरता प्राप्त की। देश उनके शौर्य और बलिदान को कभी नहीं भूल सकता।

राजग नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितता के लगाए आरोप, चुनाव आयोग से निष्पक्ष जांच की मांग

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक में चल रही विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग की। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एच.डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए कई शिकायतें दर्ज कराईं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को प्रत्येक मतदाता के घर जाकर सत्यापन करना चाहिए, लेकिन अनेक स्थानों पर सामुदायिक भवनों, मस्जिदों और कांग्रेस जनप्रतिनिधियों के आवासों पर मतदाताओं को बुलाकर गणना प्रपत्र भरवाए जा रहे हैं। उनके अनुसार, इससे मतदाता सूची की निष्पक्षता और विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। जोशी ने आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में व्हाट्सएप समूह बनाकर मतदाताओं को निर्धारित स्थानों पर बुलाया जा रहा है और वहीं उनके आवेदन भरवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन आरोपों के समर्थन में सोशल मीडिया से एकत्रित सामग्री और अन्य दस्तावेज पेन ड्राइव के रूप में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए हैं, ताकि उनकी जांच कराई जा सके।

राजग प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि अब तक भरे गए सभी गणना प्रपत्रों का घर-घर जाकर अनिवार्य रूप से पुनः सत्यापन कराया जाए। साथ ही प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं में शामिल अधिकारियों अथवा राजनीतिक पदाधिकारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया कि ये अनियमितताएं राज्य सरकार के संरक्षण में हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी से संपूर्ण गणना (एन्यूमरेशन) प्रक्रिया दोबारा कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता छलवादी नारायणस्वामी और निखिल कुमारस्वामी भी इसी मुद्दे पर शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी सुधार नहीं हुआ है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ बूथ स्तरीय अधिकारियों के पहचान-पत्रों पर स्थानीय विधायकों के फोटो लगाए गए हैं, जो निर्वाचन प्रक्रिया की तटस्थता के विपरीत है। जोशी ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के बाद अब कर्नाटक में भी कांग्रेस सरकार अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल कराने का प्रयास कर रही है।

उनका कहना था कि यदि घर-घर जाकर सत्यापन नहीं किया गया तो मतदाताओं की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करना संभव नहीं होगा। राजग नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया केवल चुनिंदा बूथों तक सीमित रखी गई है, जिससे निर्वाचन व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से पूरे मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच कराने, प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

मऊगंज में अवैध एमडी ड्रगनिर्माण इकाई का भंडाफोड़, 1.28 करोड़ रुपये की ड्रग्स, रसायन एवं उपकरण जब्त

एजेंसी

भोपाल/मऊगंज। मध्य प्रदेश पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को मऊगंज जिले के बिझौली गांव में संचालित अवैध सिंथेटिक ड्रग (एमडी) निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लगभग 1 करोड़ 28 लाख रुपये मूल्य का मादक पदार्थ, रसायन, उपकरण और वाहन जब्त किया है। प्रारंभिक जांच में इस नेटवर्क के तार महाराष्ट्र के कई शहरों तक जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। यह कार्रवाई विंध्य क्षेत्र में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार-2' के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक मऊगंज सुरेंद्र कुमार जैन के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शशिकांत सरयाम तथा एसडीओपी सचि पाठक के पर्यवेक्षण में थाना शाहपुर एवं चौकी खटखरी की टीम ने दबिश देकर यह सफलता हासिल की। कार्रवाई के दौरान एसपी स्वयं भी मौके पर मौजूद रहे और पूरे ऑपरेशन की निगरानी करते रहे। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बिझौली गांव में एक किराए के मकान में अवैध रूप से एमडी ड्रग तैयार की जा रही थी। आरोपित मकान मालिक को गुमराह कर इसे केमिकल निर्माण इकाई बताकर उपयोग कर रहे थे। मार्च 2026 में यह मकान किराए पर लिया गया था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लगभग 360 ग्राम संदिग्ध सिंथेटिक ड्रग (एमडी) बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा लगभग 300 लीटर से अधिक रासायनिक पदार्थ, ओवन मशीन, जनरेटर, वैक्यूम पंप, हीटर, मोटर, मोटर कंट्रोलर, तापमान मापक यंत्र और कांच के फ्लास्क सहित ड्रग निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण जब्त किए गए। साथ ही एक महिंद्रा नियो बोलेरो वाहन भी बरामद किया गया। कुल जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 1.28 करोड़ रुपये बताई गई है।

पुलिस ने मौके से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें रीवा जिले के सोनवर्षा निवासी चंदन सिंह (26), लालगांव निवासी अशोक गुप्ता (40), सोनवर्षा निवासी पीकचंद्र यादव (21) और शुकुलगवां निवासी ऋषभ सेन (18) शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि तैयार की जा रही ड्रग की सप्लाई मुंबई, नागपुर और महाराष्ट्र के अन्य शहरों तक की जाती थी।

उप्र में जन्मे विनायक शुक्ला बने ओमान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान

मस्कट। ओमान क्रिकेट ने भारतीय मूल के विकेटकीपर-बल्लेबाज विनायक शुक्ला को पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया है। टीम के उप-कप्तान रहे शुक्ला ने जतिंदर सिंह की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत में हुए आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ओमान की कमान संभाली थी। ओमान क्रिकेट ने विनायक शुक्ला को कप्तान इसलिए चुना है, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम भूमिका निभाई है। ओमान क्रिकेट ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नए कप्तान की घोषणा करते हुए कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। ओमान क्रिकेट गर्व के साथ विनायक शुक्ला को ओमान पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान घोषित करता है।' पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम योगदान देने के बाद, 32 वर्षीय विनायक अब राष्ट्रीय टीम को अगले अध्याय में ले जाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

18 जून 1994 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे विनायक शुक्ला अपने कोच की सलाह पर बेहतर अवसरों की तलाश में साल 2021 में ओमान चले गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए 'नेशनल मेटल कैंस' में डेटा ऑपरेटर की नौकरी की। इसके साथ ही क्रिकेट खेलना भी जारी रखा।

विनायक ने 14 दिसंबर 2024 को टी20 मैच के साथ ओमान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। इसके बाद 10 फरवरी 2025 को एशिया कप में नामीबिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। विनायक शुक्ला ओमान के पसंदीदा विकेटकीपर बने, उन्होंने खास तौर पर टी20 क्रिकेट में मिडिल ऑर्डर से तेजी से रन बनाकर प्रभावित किया है। विनायक शुक्ला ने अपने करियर में 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 26 की औसत के साथ 312 रन बनाए। वहीं, 23 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 2 अर्धशतकों के साथ 447 रन निकले। विनायक 15 लिस्ट-ए मुकाबलों में 312 रन जोड़ चुके हैं।

विंबलडन

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

लंदन। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे

खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी।

टी20 सीरीजः जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

वैभव-रिंकू को मौका

● सैमसन बाहर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशिर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं।

दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्थित हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बदलाव

रेड्डी की जगह दुबे टीम में शामिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से पहले चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दुबे इंग्लैंड में जारी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि दुबे वनडे सीरीज के लिए भी वहीं रुकेंगे, क्योंकि रेड्डी अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं।

रेड्डी के रिहैबिलिटेशन के कारण उन्हें पहले ही आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और जिम्बाब्वे के विरुद्ध आगामी तीन मुकाबलों की सीरीज से बाहर कर दिया गया था। देवजीत सैकिया ने कहा, 'सिलेक्शन कमिटी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को चुना है।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

यूथ हॉकी : 5-एस एशियन चैंपियनशिप से पहले सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप 2026 की तैयारी के लिए सब-

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेने जा रहे 15 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया है। यह प्रतियोगिता ओमान की राजधानी मस्कट में 20 से 25 जुलाई के बीच आयोजित होगी, जिससे पहले नेशनल कैंप 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ के सेक्टर 14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। देश के होनहार युवा खिलाड़ी कोच और भारत के पूर्व कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में ट्रेनिंग करेंगे। इस ग्रुप के सभी 15 खिलाड़ी उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

दो सप्ताह के इस कैंप का मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की रणनीतिक और तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना और साथ ही व्यवस्थित ट्रेनिंग सेशन के जरिए उनके खेल को बेहतर बनाना है।

पहला वनडेः 'लो स्कोरिंग' मैच में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 25 रन से हराया

सीरीज में 1-0 से लीड

हरारे। जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में 25 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सोमवार को हरारे में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम महज 36.4 ओवरों में 141 रन पर सिमट गई। इस टीम को 36 के स्कोर पर बेन करन (18) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर ब्रायन बेनेट (17) भी चलते बने। 7 ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 8 विकेट खो दिए थे। यहां से रिचर्ड नगारवा ने न्यूमैन न्याम्हुरी के साथ 9वें विकेट के लिए 81 गेंदों में 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचा

दिया। न्यूमैन न्याम्हुरी ने 5 चौकों के साथ 33 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान रिचर्ड नगारवा ने 27 रन जुटाए। इनके अलावा, इनोसेंट काइया ने 26 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से नाहिद राणा ने 10 ओवरों में 21 रन देकर 6 विकेट निकाले। इनके अलावा, तस्कीन अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। एक विकेट मेहदी हसन के हाथ लगा। इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम 33.1 ओवरों में 116 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 17 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से तौहीद हिरदॉय ने नुरुल हसन के साथ चौथे विकेट के लिए 88 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम बिखर गई।

फीफा वर्ल्ड कपः इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

● रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा।

हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: एकता और लड़ने का जज्बा मेक्सिको की सफलता का कारण, स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का बयान

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में सोमवार को मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होना है। इस मैच के लिए मेक्सिको पूरी तरह तैयार है। मेक्सिको का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का मानना ??है कि विश्व कप में उनकी टीम के जोरदार प्रदर्शन की वजह एकता और लड़ने का जज्बा है। जिमेनेज ने फीफा से बातचीत के दौरान कहा, 'हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रीत एकजुट हैं। एकजुटता और एक पारिवारिक भावना हमें बड़ी चीजों के लिए प्रेरित रही है। हमें मेक्सिको में अभी एक और मैच खेलना है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। हमारी टीम सच में बहुत मजबूत है। जेवियर एगुइरे के चार्ज संभालने के बाद से हम सब एक साथ हैं। आसमान ही हमारे लिए सीमा है।'

यूथ वनडेः श्रीलंका के खिलाफ 'द्रविड़' ने जड़े 87 रन

● विशाल स्कोर के बावजूद भारत की हार

हम्बनटोटा। भारत के महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत अंडर-19 टीम की तरफ से खेलते हुए सोमवार को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे मैच में 87 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 67 गेंदों की इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके लगाए, लेकिन टीम मैच गंवा बैठी। सोमवार को महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अन्वय द्रविड़ की इस शानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 285 रनों का विशाल स्कोर बनाया, लेकिन श्रीलंका ने इस मैच को 8 विकेट शेष रहते अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम ने पहला मैच 4 विकेट से जीता था, लेकिन अब तीन मुकाबलों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का अंतिम मैच 9 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाना है। इसके बाद 13 जुलाई से दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हम्बनटोटा में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 47.2 ओवरों में 285 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम ने 11 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने वीके विनीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों में 67 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। विनीत 45 गेंदों में 4 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अन्वय द्रविड़ बल्लेबाजी के लिए उतरे और अर्जुन राजपूत के साथ पांचवें विकेट के लिए 126 गेंदों में 144 रन जुटाए। अर्जुन 81 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अन्वय ने 87 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। श्रीलंकाई खेमे से गिमहान मेंडिस ने 8.2 ओवरों में 41 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि कविजा गमागे ने 2 विकेट निकाले। एक विकेट सेथमिका सेनेविरात्ने के हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 48 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 25 के स्कोर पर दुलनिथ सिगेरा (14) के रूप में शुरुआती झटका लग गया था। इसके बाद दिमंथा महाविथाना ने सेनुजा वेकुनागोडा के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करते हुए जीत की नींव रख दी।

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्योर

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टेबल हूं

अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टेबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूं या यूं कहूं कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं। अभिषेक ने उन इनसिक्योरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अक्सर एक्टर्स को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं क्लियर होता हूं कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना चाहता हूं। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्योर एक्टर नहीं रहा कि 'वह क्या कर रहा है'। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर, हां। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्योर होते हैं कि 'क्या मैं यह कर पाऊंगा?' इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल जारी

'इक्का' में करेंगी सरप्राइज

आकांक्षा रंजन अब साफ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से जरा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है। हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर — डॉ. गर्गी — का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नजर आएंगी — जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है। 'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा जरूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के जरिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के जरिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया। अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं — इस बार कहानी ज्यादा डार्क और लेयर्ड है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नजर आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं — जिनका खुलासा अभी बाकी है।

मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं। 'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।' अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं। अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। केवीएन प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया। प्रोडक्शन हाउस द्वारा शेयर किए गए पोस्टर पर लिखा था, '11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में। 60 ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन लेकर आ रहे हैं 'हैवान'।' 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। फिल्म में श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी। केवीएन प्रोडक्शन और थेस्पियन फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म 'हैवान' को वेंकट के. नारायण और शैलजा देसाई फेन ने प्रोड्यूस किया है। इस बीच, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के लिए फिर से साथ काम किया है। इस फिल्म में परेश रावल, जिशु सेनगुप्ता, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 2007 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया' के बाद प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी और मनोज जोशी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म 2026 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है। अक्षय कुमार की हालिया फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, तुषार कपूर और सयाजी शिंदे जैसे नाम शामिल हैं।

अगली फिल्म के लिए कई लुक अपनाएंगे सलमान

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। फिल्म में सलमान खान एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का फैंस को काफी इंतजार है। एक पॉडकास्ट के दौरान फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बताया। हाल ही में दिल राजू एक पॉडकास्ट पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे वामसी पेडिपल्ली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म पर बहुत भरोसा है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा।' इसके अलावा दिल राजू ने बताया कि यह सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी एंटरटेनिंग फिल्म होगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और काफी कुछ होगा। पॉडकास्ट के दौरान दिल राजू ने यह भी बताया कि इस फिल्म में सलमान कई अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। वहीं फिल्म के शूटिंग शेड्यूल की जानकारी देते हुए निर्माता दिल राजू ने कहा, 'यह फिल्म अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। हमें इसके ब्लॉकबस्टर होने की पूरी उम्मीद है। सलमान भी इसकी शूटिंग के मजे ले रहे हैं। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और 'वाउ फैक्टर' होगा।

ईद पर रिलीज हो सकती है फिल्म

फिल्म श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर तले बन रही है। वहीं फिल्म का निर्देशन वामसी पेडिपल्ली ने किया है। कुछ दिनों पहले ही सलमान और नयनतारा को मेकर्स के साथ मुहूर्त सेरेमनी में देखा गया था। इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहां उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स एंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आजादी के साथ बोल सकें।' वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में मैच्योर नहीं था

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं ब्लूबेरी के पत्ते

ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए कई तरह की दवाएं और इलाज हैं लेकिन आप इसे कुछ नैचुरल उपायों के जरिए भी कंट्रोल कर सकते हैं। ब्लूबेरी एक ऐसा पौधा है, जिसके पत्ते डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

डायबिटीज एक गंभीर और तेजी से बढ़ रही जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है। दुर्भाग्य यह है कि इसका कोई पक्का इलाज नहीं है। डायबिटीज को सिर्फ एक्टिव लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट के जरिए कंट्रोल रखा जा सकता है। इस रोग में मरीज का ब्लड शुगर बढ़ने लगता है और लंबे समय तक ऐसा होने से हृदय, रक्त वाहिकाओं, आंखों, गुर्दे और तंत्रिकाओं को गंभीर नुकसान हो सकता है।
वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 422 मिलियन लोगों को डायबिटीज है, जिनमें से अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। 1.5 मिलियन लोगों की मृत्यु सीधे तौर पर डायबिटीज के कारण होती है।

डायबिटीज कंट्रोल करने के उपाय ?

वैसे तो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए कई तरह की दवाएं और इलाज हैं लेकिन आप इसे कुछ नैचुरल उपायों के जरिए भी कंट्रोल कर सकते हैं। ब्लूबेरी एक ऐसा पौधा है, जिसके पत्ते डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

ब्लूबेरी के पोषक तत्व

डायबिटीज.को.यूके के अनुसार, ब्लूबेरी जैसे फलों में नैचुरल शुगर होती है और यह विटामिन, फाइटोन्यूट्रिएंट्स और फाइबर का भी बेहतर स्रोत है। अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज के मरीजों को यह फल खाने, इसके पत्ते चबाने या पत्तों से बनी चाय को पीने से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। ब्लूबेरी पौधे की पत्तियां नैचुरल रूप से ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सकती हैं। इतना ही नहीं, इन हरी पत्तियों में डायबिटीज की वजह से पैदा होने वाले आंखों से संबंधित विकारों को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

डायबिटीज को कैसे कंट्रोल करते हैं ब्लूबेरी के पत्ते

मेंजीज इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं के अनुसार, ब्लूबेरी चाय में टाइप 2 डायबिटीज का इलाज करने की क्षमता हो सकती है। ब्लूबेरी के पत्तों की चाय पीने से डायबिटीज के उन मरीजों को सबसे ज्यादा फायदा मिल सकता है, जिन्हें इंसुलिन इंजेक्शन पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि यह चाय मांसपेशियों में ग्लूकोज के सेवन में सुधार करती है, जिससे ब्लड शुगर का लेवल कम होता है।

ब्लूबेरी के पत्तों में पाया जाता है पावरफुल रसायन

जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि ब्लूबेरी में एंथोसायनिन नामक एक रसायन पाया जाता है, जो गंदे यानी खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इतना ही नहीं यह रसायन इंसुलिन रेसिस्टेंट को कम करता है, और फास्ट प्लाज्मा ग्लूकोज लेवल को कम करता है।

ब्लूबेरी के पत्तों की चाय है फायदेमंद

आप ब्लूबेरी के पत्तों से बनी चाय का ज्यादा लाभ लेने के लिए इसमें पुदीना के पत्ते और दालचीनी मिक्स कर सकते हैं। इन दोनों चीजों में डायबिटीज को कंट्रोल करने वाले गुण पाए जाते हैं। खासकर इन्हें टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए लाभदायक माना गया है। दालचीनी में ब्लड शुगर लेवल को कम करने की क्षमता होती है।

इंसुलिन इंजेक्शन की नहीं पड़ेगी जरूरत

मेंजीज इंस्टीट्यूट के सीनियर रिसर्च फेलो मिशेल केस्के ने कहा है कि इस चाय में इंसुलिन हार्मोन को मैनेज करने की क्षमता होती है और यह मांसपेशियों में ग्लूकोज की मात्रा में सुधार करता है। ऐसा करके यह ब्लड शुगर लेवल को कम करता है और यह ब्लड फ्लो में भी सुधार करता है।

चिंता-तनाव, आत्मविश्वास की कमी बिगाड़ देती है मेंटल हेल्थ

तनाव, चिंता, कम आत्मसम्मान, रिलेशन अफेयर्स और खराब वर्क लाइफ बैलेंस किसी व्यक्ति को उस बिंदु तक प्रभावित करते हैं जहां वह अपना बेस्ट नहीं दे पाते हैं। इसलिए, किसी के भावनात्मक स्वास्थ्य का उतना ही ध्यान रखना महत्वपूर्ण हो जाता है, जितना हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं।

मानसिक रूप से मजबूत होने का मतलब यह नहीं है कि आप अंदर से कमजोर हो और खुले तौर मजबूत होने का दिखावा कर रहें हों। इसका मतलब यह भी नहीं है कि जब आपको मदद की सख्त जरूरत हो, तो तभी आप अकेले ही उस समस्या से जुझ रहे हो। वास्तव में, इमोशनल वेलनेस का मतलब है, हर चीज को अपनाने और उसका सामना करने के लिए तैयार रहना। हर दिन आप इतने मजबूत बने रहें ये जरूरी नहीं है। मानसिक रूप से मजबूत महिलाओं में जो लक्षण समान्य रूप से देखे जा सकते हैं, वह हैं अपनी ताकत और कमियों के बारे में जागरूक होना, यह स्वीकार करना कि विभिन्न भावनाएं उन्हें कैसे प्रभावित करती हैं। और वे इसे नियंत्रित करने के लिए क्या कर सकती हैं।
मेंटल हेल्थ को लेकर वरिष्ठ क्लीनिकल साइकाइट्रिस्ट ने अपने विचारों को हमारे साथ साझा किया है। और महिलाओं में मानसिक और भावनात्मक स्तर पर चल रहे लड़ाई को शांत करने के कारगर उपाय भी बताए हैं। वह कहती हैं कि दूसरों व अपने प्रति व्यक्ति की धारणा, उत्पादकता उनके रिश्ते और भावनात्मक भलाई से जुड़ी होती है। तनाव, चिंता, कम आत्मसम्मान, रिलेशन अफेयर्स और खराब वर्क लाइफ बैलेंस किसी व्यक्ति को उस बिंदु तक प्रभावित करते हैं जहां वह अपना बेस्ट नहीं दे पाते हैं। इसलिए, किसी के भावनात्मक स्वास्थ्य का उतना ही ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, जितना हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं। इसे करने के कुछ तरीकों में शामिल हैं।

माइंडफुलनेस का अभ्यास करें

अनुसंधान से पता चलता है कि भावनात्मक स्तर खुलने के लिए माइंडफुलनेस का अभ्यास जरूरी होता है। इसके तरीको के माध्यम से आप अपने मस्तिष्क के तार्किक और भावनात्मक केंद्रों को मजबूत कर सकते हैं। इसका अभ्यास करने से हम वर्तमान क्षण में अधिक जागरूक हो जाते हैं। साथ ही जल्दबाजी में इमोशनल होकर फैसले लेने कि अपनी आदत को भी नियंत्रित कर सकते हैं।

फैसलों पर डाउट न करें

एक्सपर्ट के अनुसार, महिलाएं हमेशा अपनी पसंद और फैसलों पर सवाल उठाती रहती है। यह न केवल हमारी फैसले लेने की समझ को प्रभावित करता है बल्कि निरंतर अपराध के बोध को भी जन्म देता है। अपने भीतर के संदेह को शांत करने और अपनी मन की आवाज पर विश्वास करने के लिए खुद को तैयार करें। इस प्रक्रिया को आप आंकलन करने के साथ शुरू कर सकते हैं। खुद से सवाल करें कि क्या आप निष्पक्ष हैं, क्या कोई विकल्प आपके मूल्यों के साथ संरेखित है? ध्यान रखिए, जो आपको सही लगता है, उसे बोलने के लिए माफी न मांगें।

दूसरों और अपने प्रति सराहना का भाव रखें

कृतज्ञता का अभ्यास करें। यह आपके भीतर सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा देता है। साथ ही आपके अंदर भावानात्मक स्तर में सुधार करता है। केवल दूसरो प्रति ही नहीं बल्कि स्वयं के प्रति भी सराहना का भाव रखें। जब भी आप कुछ अचीव करते हैं, या किसी की मदद करते हैं इसके लिए खुद को धन्यावाद दें।

मदद मांगने में संकोच न करें

एक्सपर्ट बातती हैं कि सहारा मांगना कमजोर होने की निशानी नहीं होती है। बल्कि ताकत की निशानी है। जब आप प्रोफेशनल मदद लेते हैं, तो आप वास्तव में यह आपको बेहतर इंसान बनाने के लिए होता है। इसक मतलब होता है कि आप एक बेहतर बनना चाहते हैं और आप उस दिशा में कदम उठा रहे हैं। अपनी वास्तविक क्षमता को उजागर करने के लिए वह कदम उठाने से न हिचकिचाएं!

लिवर, किडनी, हार्ट और लंग्स सबके लिए अमृत है मोरिंगा पाउडर

सहजन को सुपरप्लांट कहा जाता है। इसमें ढेर सारे औषधीय गुण होते हैं। जानकारी बढ़ने के साथ लोग इसे अब अपनी डेली डायट में शामिल कर रहे हैं। जबकि यह सदियों साल पुराना पेड़ है।

हमारे दादी-नानी जो चीजें खाती हैं नई जनरेशन उन्हें देखकर नाक-भौं सिकोड़ती है। अगर नई पीढ़ी के लोग ये चीजें खाते भी हैं तो स्वाद देखकर। अक्सर उन्हें इन चीजों के फायदे पता नहीं होते। ऐसा ही एक पेड़ है सहजन जिसकी पत्ती से लेकर फली तक सबकुछ फायदा करता है। यह पेड़ पूरी दुनिया में उगता है। इसे नॉर्थ इंडिया के हिमालय वाले रीजन की ओरिजिन माना जाता है। इसका उपयोग खाने और औषधि के रूप में होता है। मोरिंगा या सहजन की फली का अचार और सब्जी बनती है। ड्रमस्टिक के रूप में इसे सांभर में डाला जाता है। इसकी पत्तियों को पाउडर के रूप में लोग औषधि के रूप में लेते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोरिंगा का पराठा खाते हैं। यहां जानते हैं इसके फायदे...

गैस्ट्रिक अल्सर में फायदेमंद

मोरिंगा की पत्तियों को सुखाकर लंबे वक्त तक स्टोर किया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन के अलावा कई तरह के विटामिन्स और ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मोरिंगा पाउडर को संक्रमित जगह को स्टर्लाइज करे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह ऐसे बैक्टीरिया और फंगस मारने में भी सक्षम होता है जो गैस्ट्रिक अल्सर और गैस्ट्रिक कैंसर की वजह होते हैं।
पाए जाते हैं पावरफुल ऐंटीऑक्सीडेंट्स
ऐंटीऑक्सीडेंट्स ऐसे कंपाउंड्स होते हैं जो फ्री रेडिकल्स खत्म करते हैं। ये फ्री रेडिकल्स कई तरह की बड़ी बीमारियों की वजह होते हैं। ये ऐंटीऑक्सीडेंट्स रेडिएशन और स्मोकिंग से हुए डैमेज से भी प्रोटेक्ट करते हैं। मोरिंगा में विटामिन सी, बीटा कैरोटीन के अलावा क्वरसेटिन पाया जाता है। यह ब्लड प्रेशर लो करने में मदद करता है। महिलाओं पर हुई एक स्टडी में उन्हें 7 ग्राम मोरिंगा की पत्ती का पाउडर रोजाना दिया गया। तीन महीने में उनके ब्लड में ऐंटीऑक्सीडेंट्स बढ़े पाए गए। यह ब्लड शुगर लेवल भी कम करता है।

मोरिंगा कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है

बैड कोलेस्ट्रॉल आपमें दिल की बीमारी का खतरा बढ़ाता है। कई ऐसी नैचुरल चीजे हैं जो आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल घटा सकती हैं। इनमें सहजन भी एक है। जानवरों और इंसानों पर हुई स्टडी में यह बात सामने आ चुकी है।
ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी करता है कम
सहजन में प्रोटीन, मिनरल्स, अमीनो एसिड्स, फ्लैवोनॉइड्स और ऐंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह लंग्स, हार्ट, लिवर और किडनी के टिश्यूज की रक्षा करता है। यह शरीर का इनफ्लेमेशन कम करता है। रिसर्च में सामने आ चुका है कि जो महिलाएं रोजाना मोरिंगा पाउडर लेती हैं उनमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा कम हो जाता है।

बारिश के मौसम में झड़ते बालों को न करें नजरअंदाज

जिस तरह मानसून में बारिश का होना तय है, उसी तरह इस मौसम में बालों का झड़ना भी निश्चित है। यदि इस मौसम में आपके बाल भी सामान्य से थोड़े ज्यादा झड़ रहे हैं तो यह बिल्कुल सामान्य बात है। जी हां, इस बात से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। वर्ल्ड ट्राइकोलॉजी सोसाइटी के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि नमी वाले मौसम में बालों का झड़ना लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं।

बारिश के मौसम में क्यों झड़ते हैं बाल

मानसून में पर्यावरण में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से बाल झड़ते हैं। बाल इस नमी को सोख लेते हैं और रूखे, उलझे और बेजान नजर आते हैं। इसकी स्वाभाविक नमी कम होती है, जिसकी वजह से सिर की त्वचा भी रूखी नजर आती है। ये बालों के फॉलिकल्स को कमजोर बनाते हैं और बाल झड़ने लगते हैं। नमी के बढ़ने से बालों के फॉलिकल्स बंद हो जाते हैं और जिससे बाल चिपचिपे हो जाते हैं।

एक दिन में कितने बाल झड़ना सामान्य बात

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, सामान्य मौसम में एक दिन में व्यक्ति के 80-100 बाल झड़ते हैं। जबकि मॉनसून के दौरान, एक व्यक्ति के प्रतिदिन 250 बाल झड़ते हैं।

बाल झड़ने का कारण

बालों का झड़ना अनियंत्रित थायरॉइड के स्तर, एनीमिया (हीमोग्लोबिन का निम्न स्तर), हॉर्मोन्स का सही रूप में काम ना करना, पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) और हाई ब्लड प्रेशर के भी संकेत हो सकते हैं। यही वजह है कि बालों के आसामन्य तरीके से झड़ने पर जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। बालों के झड़ने की समस्या को नजरअंदाज करने से यह कई लोगों में पूरी तरह से गंजेपन का कारण बन सकती है, खासकर उन लोगों में जिन्हें आनुवंशिक रूप से बालों के झड़ने की समस्या का जोखिम है।
द ट्राइकोलॉजिकल सोसाइटी, लंदन के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. अक्षय बत्रा के अनुसार बालों के झड़ने को होम्योपैथी दवाओं और उपचार की मदद से आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। ये दवाएं बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों के झड़ने के मूल कारण का उपचार कर बालों की स्थिति को बेहतर बनाती है। ये बालों को जड़ों से पोषण देने और बालों के फिर से निकलने में मदद करती हैं। होम्योपैथी दवाएं पूरी जांच और केस का मूल्यांकन करने के बाद दी जाती हैं, जिसमें रोगी की मेडिकल हिस्ट्री और उनकी मानसिक और शारीरिक बनावट भी शामिल है।

बालों के झड़ने की समस्या को कैसे दूर करें

शैम्पू

भले ही बारिश में भीगने का आनंद लें लेकिन उसके बाद बालों को जरूर धोएं। बारिश के पानी को हटाने के लिये शैम्पू से अपने बालों को धोएं, क्योंकि बारिश का पानी गंदगी से भरा होता है। नमी वाले इस मौसम में चिपचिपेपन और पसीने को दूर रखने के लिए हफ्ते में 2-3 बार शैम्पू करें।

अपने बालों को सही तरीके से सुखाएं

अपने बालों को सुखाने के लिये माइक्रोफाइबर तौलिए का इस्तेमाल करें, यह तुरंत ही पानी को सोख लेता है और आपके बालों तथा तौलिए के बीच कम से कम घर्षण होता है।

कंडीशनर लगाएं

बारिश के पानी के साथ बालों में आने वाली उलझन को सुलझाने के लिये एक अच्छा कंडीशनर जरूरी है। बालों को झड़ने से रोकने वाले कंडीशनर का इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों में नमी लॉक हो जाए और उसे मजबूती और सुरक्षा मिले।

बालों में तेल लगाना बेहद जरूरी है

अपने बालों में तेल जरूर लगाएं, लेकिन बालों को टूटने से बचाने के लिये हल्के हाथों से मसाज करें। हफ्ते मे एक या दो बार सही पोषण के लिये अच्छा है, हालांकि बार-बार तेल लगाने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हवा में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से सिर पर पहले से ही ऑयल होता है।

सही कंघी का चुनाव करें

गीले बालों में कंघी ना करें, क्योंकि इससे वे कमजोर हो जाते हैं। अपने बालों को आसानी से सुलझाने के लिये चौड़े दांतों वाले कंघे का इस्तेमाल करें। यदि घरेलू उपचारों से बालों के झड़ने में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा तो फिर इंतजार ना करें।

होम्योपैथिक उपचार

- विस्बाडेन 30सी, कुछ महीनों के लिये दिन में दो बार - बालों के प्राकृतिक विकास को बढ़ावा देता है।
- फ्लोरिक एसिड 6सी, 5 गोलियां दिन में दो बार - पैची बालों के झड़ने का इलाज करने में मदद करता है और स्वस्थ प्राकृतिक बालों के विकास को बढ़ावा देता है।
- सीपिया, सल्फर, फॉस्फोरिक एसिड, लैकेसिस और ग्रेफाइट्स - बालों के झड़ने के इलाज में मदद करते हैं।
- थूजा ऑक्सिडेंटैलिस 30सी, 5 गोलियां महीने में केवल एक बार दिन में दो बार- बालों के झड़ने के आनुवंशिक कारण के लिये।